Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 253 | मंगलवार, 22 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

गाजियाबाद में नितिन नवीन ने भरा कार्यकताओं में जोश, 2027 की तैयारी का दिया मंत्र

बूथ मजबूत तो संगठन मजबूतः नितिन नवीन ने कार्यकताओं को दिया 2027 का रोडमैप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गाजियाबाद। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दौरे पर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का गाजियाबाद में कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। एनएच-9 पर महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता जुटे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के महानगर में पहुंचते ही कार्यकताओं में खासा उत्साह और जोश देखने को मिला।

स्वागत से अभिभूत नितिन नवीन ने कार्यकताओं का आभार जताते हुए उन्हें वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अभी से पूरी तैयारी के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कमल का निशान भाजपा की पहचान है और प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कार्यकताओं को संगठन की प्राथमिकताओं से अवगत कराते हुए कहा कि व्यक्ति केवल एक माध्यम है, जबकि पार्टी का विचार, संगठन और संकल्प सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने-अपने बूथ पर सक्रिय रहकर पार्टी के विचारों के साथ केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचानी चाहिए।

बूथ स्तर पर मजबूती को बताया संगठन की नींव

नितिन नवीन ने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की वास्तविक ताकत उसके बूथ स्तर के कार्यकताओं से होती है। इसलिए कार्यकताओं को अपने-अपने बूथों पर लगातार सक्रिय रहना चाहिए और जनता से सीधा संवाद बनाए रखना चाहिए। उन्होंने विपक्ष की ओर से किए जा रहे दुष्प्रचार का जवाब भी संगठनात्मक मजबूती और जनता के बीच प्रभावी संवाद के माध्यम से देने की बात कही।

उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे संगठन की गतिविधियों को बूथ स्तर तक मजबूत करें और पार्टी के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। उनके संबोधन के दौरान कार्यकताओं में उत्साह दिखाई दिया और उन्होंने संगठन को मजबूत करने के संकल्प के साथ काम करने का भरोसा जताया।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, सांसद अतुल गर्ग, सांसद एवं राष्ट्रीय मंत्री भोला सिंह, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप, जिला प्रभारी अशोक कटारिया, प्रदेश महामंत्री राजेश सिंह, सदर विधायक संजीव शर्मा, अजीत पाल त्यागी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे ।भौगोलिक संदर्भ

राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम ने गाजियाबाद महानगर में पार्टी कार्यकताओं के बीच संगठनात्मक सक्रियता और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर माहौल में नई ऊर्जा का संचार किया।

बालोतरा नगर परिषद में बीजेपी के योगेश गहलोत जीते, कांग्रेस उम्मीदवार को हराया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को राजस्थान के बालोतरा ज़िले में सभी सात चेयरपर्सन पद जीत लिए। पार्टी ने बालोतरा म्युनिसिपल काउंसिल और छह म्युनिसिपल बोर्ड - जसोल, सिवाना, समदड़ी, सिंदहारी, गुडामालानी और धोरीमन्ना - के चुनाव जीते। बालोतरा म्युनिसिपल काउंसिल में, BJP के योगेश गहलोत ने 30 वोट हासिल करके जीत दर्ज की और कांग्रेस उम्मीदवार अंकिता को हराया, जिन्हें 25 वोट मिले थे। जसोल म्युनिसिपल बोर्ड में, इखढ की निर्मला प्रजापत 13 वोटों से जीतीं, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार ममता को सात वोट मिले। सिवाना म्युनिसिपल बोर्ड में, BJP के भगवत सिंह ने 15 वोट पाकर कांग्रेस उम्मीदवार को हराया, जिन्हें 10 वोट मिले थे। समदड़ी म्युनिसिपल बोर्ड में, BJP के सुरेश कुमार 17 वोटों से जीते, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार विक्रम बुनकर को आठ वोट मिले। सिंधारी म्युनिसिपल बोर्ड में, BJP की चंपा देवी को 14 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार भंवराराम को छह वोट मिले। गुडामालानी म्युनिसिपल बोर्ड में, BJP की शीतल भरत जैन 13 वोटों से जीतीं, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार कल्पना शेखावत को सात वोट मिले। धोरीमन्ना म्युनिसिपल बोर्ड में, BJP की कीर्ति गोसाईंवाल निर्विरोध चेयरपर्सन चुनी गईं।

रेवंत रेड्डी सरकार के खिलाफ बीजेपी का प्रदर्शन, एसआरएसपी से पानी छोड़ने की मांग

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तेलंगाना के करीमनगर में चिंताकुंटा नहर पर तनाव फैल गया। यहाँ इखढ कार्यकताओं और हिंदू संगठनों के सदस्यों ने रेवंत रेड्डी सरकार से गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए पानी छोड़ने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने विसर्जन स्थल पर पानी की कमी को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिश की, तो स्थिति और बिगड़ गई। घटना स्थल के वीडियो में कथित तौर पर पुलिसकर्मी कुछ प्रदर्शनकारियों को मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और उन्हें पास के पुलिस स्टेशनों में भेज दिया। गणेश प्रतिमा विसर्जन से पहले चिंताकुंटा नहर में पानी की उपलब्धता को लेकर चिंता बनी हुई है, जिसके चलते विरोध-प्रदर्शन हो रहा है। इस मुद्दे पर राजनीतिक नेताओं और स्थानीय प्रतिनिधियों ने नहर में पानी छोड़ने की मांग की है।

इससे पहले, 15 सितंबर को करीमनगर के विधायक गंगुला कमलाकर ने चिंताकुंटा विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों से गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए श्री राम सागर परियोजना से पानी छोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस जगह पर लगभग 700-800 प्रतिमाओं के विसर्जन की उम्मीद है और सुझाव दिया कि विसर्जन स्थल पर पानी का स्तर पर्याप्त बनाए रखने के लिए पानी छोड़ा जाए। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री और करीमनगर के सांसद बंदी संजय कुमार ने भी इस महीने की शुरूआत में विसर्जन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया था और अधिकारियों को पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। उन्होंने आग्रह किया था कि विसर्जन आसानी से हो सके, इसके लिए कई दिन पहले ही पानी छोड़ दिया जाए। करीमनगर में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए चिंटाकुंटा रफ्रढ नहर, मानाकोंडुर और कोथापल्ली के जलाशयों के साथ-साथ कई सालों से तय जगहों में से एक रही है।

अधिकारियों ने पहले भी विसर्जन स्थलों पर क्रेन, बैरिकेड्स, लाइटिंग, साफ-सफाई की सुविधाएँ और पुलिसकर्मियों व तैराकों की तैनाती जैसे इंतजाम किए हैं। इस साल करीमनगर और आस-पास के इलाकों में नहरों और जलाशयों में पानी का स्तर कम होने की खबरों के बीच यह मामला जरूरी हो गया है, जिससे बड़ी संख्या में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन में मुश्किलें आ रही हैं। करीमनगर के पुलिस कमिश्नर गौश आलम ने भी इस हफ़्ते की शुरूआत में विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया था और अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे सुरक्षा सुनिश्चित करने और विसर्जन प्रक्रिया के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए नगर पालिका, राजस्व और बिजली विभागों के साथ तालमेल बिठाएँ। पुलिस की कार्रवाई और विरोध-प्रदर्शन के दौरान किसी के घायल होने के बारे में और जानकारी का इंतजार है।

'छिटपुट घटनाएं होती रहती हैं', बिहार के मंत्री श्रवण कुमार के बयान पर बवाल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के मंत्री श्रवण कुमार ने सोमवार को जमुई में कथित छेड़छाड़ की घटना को छिटपुट घटना बताया। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए, बिहार के ग्रामीण विकास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री ने भरोसा दिलाया कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऐसी घटनाओं पर नजर रख रही है और दोषियों को कानून से बचने नहीं देगी। बिहार के मंत्री ने कहा कि दुनिया पूरी तरह अपराध-मुक्त नहीं है। छिटपुट घटनाएं होती रहती हैं। सरकार की नजर इन छिटपुट घटनाओं पर है। ऐसे काम करने वाले बिहार में बच नहीं सकते। पहले भी उनके खिलाफ सख़्त कार्रवाई की गई है।

JD(U) मंत्री का यह बयान जमुई ज़िले से सामने आए एक बेहद परेशान करने वाले वीडियो के बाद आया है। इस वीडियो में कुछ बदमाश एक लड़के के साथ मारपीट करते और एक लड़की के साथ छेड़छाड़ करते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में लड़की हाथ जोड़कर कुछ लोगों से उसे और उसके पुरुष दोस्त को जाने देने की गुहार लगाती दिख रही है, क्योंकि उन्हें परेशान और रोका जा रहा था। इस घटना से लोगों में भारी आक्रोश है। वहीं, इस अत्यंत संवेदनशील मामले को संज्ञान में लेते हुए जमुई पुलिस द्वारा त्वरित कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है इस संबंध में जमुई थाना कांड सं०-428/26, दिनांक- 21.09.2026, धारा- 74 /76/3(5) बी०एन०एस० एवं 08/12 पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक महोदय, जमुई विश्वजीत दयाल के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, दीप्ति मोनाली के नेतृत्व में एक विशेष S.I.T. टीम गठित कर छापेमारी की जा रही है। वायरल विडियो में आरोपियों की पहचान कर ली गई है।

सुप्रीम कोर्ट को बताया गया, राम मंदिर चढ़ावा चोरी में 25 सितंबर तक आरोप पत्र देगी एसआईटी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय को सोमवार को बताया गया कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन की जांच कर रही अदालत द्वारा गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) 25 सितंबर तक या उससे पहले पहला आरोपपत्र दाखिल करेगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ को बताया कि इस मामले में पहली गिरफ्तारी के बाद से कानूनी तौर पर तय 90 दिन की समय-सीमा जल्द ही खत्म होने वाली है। मेहता ने कहा, ''पहली गिरफ्तारी की तारीख से 90 दिन की अवधि 25 सितंबर को पूरी हो जाएगी, इसलिए हमें आरोपपत्र दाखिल करना होगा, अन्यथा उन्हें (आरोपियों को) डिफॉल्ट जमानत मिल जाएगी।'' शीर्ष अदालत ने सीलबंद लिफाफे में एसआईटी की ओर से दाखिल की गई विस्तृत वस्तु स्थिति रिपोर्ट का भी अवलोकन किया।

दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 167(2) के तहत, यदि जांच एजेंसी तय अवधि यानी 60 या 90 दिन के भीतर अदालत में आरोपपत्र दाखिल करने में विफल रहती है तो आरोपी को वैधानिक जमानत पाने का अधिकार मिल जाता है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 187 ने पहले लागू दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 167(2) का स्थान लिया है। शीर्ष अदालत ने इससे पहले एसआईटी को अपनी जांच जल्द पूरी करने और उसे तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने का निर्देश दिया था।

न्यायालय ने एसआईटी को निर्देश दिया था कि वह चढ़ावा चोरी मामले में जांच में हुई प्रगति की वस्तु स्थिति रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल करे। शीर्ष अदालत ने 27 जुलाई को चढ़ावे के कथित गबन की जांच के लिए पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) किरण एस. की अध्यक्षता में गठित चार सदस्यीय एसआईटी का संज्ञान लिया था। उसने उत्तर प्रदेश सरकार से जांच टीम में एक फॉरेंसिक ऑडिटर को भी शामिल करने को कहा था।

सुधारात्मक कदमों पर जोर देते हुए पीठ ने कहा था कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। पीठ ने एसआईटी को दो सप्ताह के भीतर वस्तु स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया था। पीठ ने 20 जुलाई को उत्तर प्रदेश सरकार से चढ़ावे के कथित गबन की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की संभावना के बारे में उसे अवगत कराने को कहा था।

शीर्ष अदालत ने 13 जुलाई को उत्तर प्रदेश पुलिस को मामले में वस्तु स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। पीठ ने चढ़ावे की कथित चोरी की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच के अनुरोध वाली याचिकाओं पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को भी नोटिस जारी किया था। राम मंदिर में चढ़ावे के प्रबंधन में अनियमितताओं के आरोप सामने आने के बाद, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह समेत कई याचिकाकताओं ने शीर्ष अदालत का रुख किया था।

स्टूडेंट सुसाइड केस में आईआईटी बॉम्बे ने मांगी माफी, प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला सस्पेंड

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई। बॉम्बे क्क्ळ में 22 साल के साहिल रवींद्र वाकोडे की आत्महत्या के बाद स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। IIT बॉम्बे के डायरेक्टर शिरीष बी. केदारे ने जानकारी देते हुए बताया कि डीन ऑफ स्टूडेंट अफेयर्स के प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। आगे की कार्रवाई जांच के बाद की जाएगी। वहीं इस मामले को IIT बॉम्बे ने माफी मांगी और कहा कि छात्र की मौत से जुड़ी परिस्थितियों के बारे में पहले दी गई जानकारी पर उसे खेद है। IIT बॉम्बे ने इस मामले में और जानकारी देते हुए बताया, 'प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला को सिर्फ IIT बॉम्बे की डीनशिप से सस्पेंड किया गया है।'

PTI की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले को लेकर IIT-बॉम्बे के गेट के बाहर विरोध-प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में जबरदस्त हंगामा, विधानसभा अध्यक्ष भी बोले पड़े, 'गुंडागर्दी नहीं चलेगी'

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का शरद सत्र शुरू होते ही सदन सियासी टकराव का अखाड़ा बन गया। पहले ही दिन भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने सरकार को घेरते हुए जोरदार नारेबाजी की, सदन के बीचोंबीच पहुंचकर विरोध जताया और रोजगार, बिजली, दैनिक वेतनभोगियों तथा स्वास्थ्य मिशन से जुड़े कर्मचारियों के मुद्दे उठाए। जवाब में सत्तापक्ष ने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली का मुद्दा उछाल दिया। शोर-शराबा इतना बढ़ा कि विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर को कड़ी चेतावनी देनी पड़ी, 'गुंडागर्दी नहीं चलेगी।' सत्र की शुरूआत दिवंगत पूर्व सदस्यों और मंत्रियों को श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। श्रद्धांजलि की कार्यवाही समाप्त होते ही भाजपा विधायकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा समेत कई सदस्य अपनी सीटों से उठकर विरोध करने लगे और बाद में सदन के बीचोंबीच पहुंच गए। भाजपा ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं, दैनिक वेतनभोगियों तथा आउटसोर्सिंग के जरिये होने वाली नियुक्तियों को लेकर सरकार से जवाब मांगा। बिजली की बढ़ी दरों और बुनियादी सुविधाओं का सवाल भी जोर-शोर से उठाया गया।

भाजपा के इस विरोध के बीच सत्ता पक्ष ने भी मोर्चा संभाल लिया। नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों ने जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नारे लगाए। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के विधायक एम.वाई. तारिगामी ने कहा कि दो वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा अब तक पूरा नहीं हुआ है। सत्ता पक्ष का तर्क रहा कि राज्य का दर्जा बहाल होना जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक और संवैधानिक स्थिति से जुड़ा प्रमुख सवाल है। हंगामे के बीच कांग्रेस विधायकों ने भी केंद्र के खिलाफ नारेबाजी की। सदन में एक तरफ उमर सरकार से रोजगार और जनसुविधाओं पर जवाब मांगा जा रहा था तो दूसरी तरफ राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग गूंज रही थी। नतीजा यह हुआ कि प्रश्नकाल गंभीर बहस की बजाय नारेबाजी में उलझ गया और कार्यवाही बाधित होती रही।

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने विपक्ष पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष को मुद्दे एक-एक करके उठाने चाहिए। दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने आरोप लगाया कि उमर अब्दुल्ला सरकार जनता से जुड़े सवालों से बचने की कोशिश कर रही है। उनका कहना है कि बेरोजगार युवाओं, आउटसोर्स कर्मचारियों और दैनिक वेतनभोगियों की समस्याओं पर सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। वहीं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सत्र को जनता की समस्याओं, आकांक्षाओं और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा का अवसर बताया।

लेकिन पहले ही दिन के घटनाक्रम ने साफ कर दिया कि आने वाले दिनों में सरकार और विपक्ष के बीच टकराव तेज रह सकता है। रोजगार, बिजली, आरक्षण, आउटसोर्सिंग, कर्मचारियों का नियमितीकरण और राज्य का दर्जा, ये मुद्दे सदन की कार्यवाही की दिशा तय करने वाले हैं। हालांकि पहले ही दिन जिस तरह हंगामे के बीच सदन को दिनभर के लिए स्थगित करना पड़ा जिससे संकेत मिल रहा है कि सत्र के आने वाले दिन भी हंगामेदार रहने वाले हैं।

संपादक की कलम

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़: चेतावनी सुने

ललित शर्मा
संपादक

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-श्रृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है। नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं। हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय में तापमान बढ़ने से बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं, पर्यटन सुविधाओं और अनियंत्रित निर्माण का दबाव पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना पर बढ़ रहा है। पहाड़ मैदान नहीं हैं कि उन्हें काटकर, खोदकर और भारी निर्माण करके उनकी प्रकृति के अनुरूप ढाला जा सके। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय सीमाएं, जलधारण क्षमता, ढलान और पारिस्थितिक संतुलन होता है। इन सीमाओं की अनदेखी अंततः भूस्खलन, मलबा-बाढ़ और ढांचागत तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास-विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास की परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है।

ले लो मेरी अवसाद

उदय कशोर साह

कविता

अय जीवन मत कर हमें और परेशान
हम भी हैं तेरे नजर में एक भला इन्सान
जीवन जब दी है हमें वो बैठा भगवान
शैतानी मत कर बन कर तुम शैतान

जीवन जीने का हमें रब ने दी है अधिकार
पर क्यूँ बदल गया हम पे तेरा। व्यवहार
सपना होने दो हमारा भी जग में साकार

जग वाले से मैं भी गया हूँ आज हार
हर तरफ फैला हैं गंदगी का। कुविचार
ईष्या द्वेष से भरा पड़ा है ये संसार
वैमनस्यता बन गई जग में एक भार

सुबह से शाम तक मजबूर है हम
सोने नहीं देता हैं रात को मन का गम
आकाश में चमक रहा तारे चम चम
फिर क्यूँ मेरे जीवन में भरा ये तम

अख तो सुन लो तुम मेरी छोटी फरियाद
कभी कभी हमें भी कर लो तुम। याद
छीन लो मेरे मन में भरा सब अवसाद
बबार्दी ले लो कर दो हमे भी तुम आबाद

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

लोरी मासूम थी, शायद हमारी नजर बड़ी हो गई

प्रो. आरके जैन
लेखक

भाषा केवल शब्दों की गठरी नहीं होती; वह समय की स्मृति, समाज की संवेदना और पीढ़ियों की साझा सांस होती है। 'चंदा मामा दूर के, पूए पकाए बूर के' इसी जीवित परंपरा का गीत है, जिसे न जाने कितनी नानी-दादियों ने बच्चों को थपकी देते हुए गाया और कितनी पीढ़ियों ने चाँद को अपना मामा मानकर आँखें मूंद लीं। अब उसी लोरी के 'बूर' शब्द पर आपत्ति उठ रही है। प्रश्न यह नहीं कि किसी शब्द का आज कोई दूसरा अर्थ निकाला जा सकता है या नहीं; प्रश्न यह है कि क्या आज की दृष्टि से कल की मासूमियत को कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए? यदि किसी शब्द की वर्तमान व्याख्या बदल गई है, तो क्या उसके साथ सदियों की स्मृति भी बदल दी जाए?

भाषा का सबसे बड़ा सौंदर्य यही है कि एक ही शब्द में कई अर्थों की संभावनाएं सँजोए रहती हैं। संदर्भ बदलते ही अर्थ का रंग बदल जाता है। 'कली', 'फूल', 'नदी', 'बूर' जैसे शब्द अलग संदर्भों में अलग अर्थ ग्रहण कर सकते हैं, लेकिन बच्चों की कविता का संसार अलग है। वहाँ चंदा मामा सचमुच मामा हैं, पूए सचमुच पूए हैं और 'बूर' भी उसी घरेलू, खाद्य और लोक-प्रचलित संदर्भ में समझा जाता रहा है। किसी शब्द को उसके मूल संदर्भ से निकालकर आधुनिक द्विअर्थी चश्मे से देखना भाषा की गलती नहीं, हमारी दृष्टि का परिवर्तन है। लोरी में अश्लीलता खोजने से पहले यह देखना होगा कि वह वहाँ थी भी या हमने बाद में उसमें डाल दी।

विडंबना यह है कि जिस समय समाज की मुख्यधारा में जानबूझकर उत्तेजक भाषा धड़ल्ले से परोसी जा रही है, हमारी चिंता एक पुरानी लोरी के शब्द पर ठहर गई है। फिल्मों के संवाद, गीतों के बोल, इंटरनेट के मीम्स और स्टैंड-अप कॉमेडी में ऐसे शब्द और संकेत लगातार सामने आते हैं, जिनका उद्देश्य चौंकाना, उत्तेजित करना या हँसी के नाम पर अभद्रता को सामान्य बनाना होता है। वहां उनका आशय भी स्पष्ट होता है। ऐसे में पारंपरिक बालगीत के एक शब्द को उसी तराजू पर तौलना नैतिकता की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करता है। चिंता वहां होनी चाहिए, जहां अश्लीलता इरादतन रची जा रही है, न कि वहां जहां पीढ़ियों से मासूमियत सांस लेती आई है।

द्विअर्थी शब्द किसी एक भाषा की बीमारी नहीं हैं। लगभग हर भाषा में ऐसे शब्द हैं, जिनके अर्थ संदर्भ, समय, क्षेत्र और प्रयोग के साथ बदलते रहे हैं। समस्या तब होती है, जब हम किसी पुराने शब्द को उसके सांस्कृतिक परिवेश से काटकर केवल आज की संवेदना के आईने में देखने लगते हैं। बच्चे जब 'चंदा मामा' सुनते हैं तो उनके मन में चाँद, मामा और पूए की प्यारी तस्वीर बनती है; वहाँ किसी वयस्क संकेत की जगह नहीं होती। यदि कोई वयस्क उस मासूम संसार में दूसरा अर्थ खोजता है तो दोष शब्द का नहीं हो सकता। बच्चों की दुनिया को वयस्क मानसिकता से पढ़कर कविता बदल देना भाषा सुधारना नहीं, अपनी दृष्टि की सीमा रचना पर थोपना है।

लेकिन यदि आज एक शब्द असुविधाजनक लग रहा है तो कल कितने शब्दों की बारी आएगी? क्या लोकगीतों के मुहावरे, कहावतों और पुराने कवियों के शब्द भी आज की कसौटी पर छांटे जाएंगे? कबीर, तुलसी और मीरा की रचनाओं में भी ऐसे शब्द, बिंब और संदर्भ हैं जिन्हें आज का पाठक अलग तरह से देख सकता है। क्या हर पीढ़ी अपनी सुविधा के अनुसार पुरानी रचनाओं को संपादित करती चले? संस्कृति नदी की तरह बहती है; उसमें समय का पानी मिलना स्वाभाविक है, लेकिन उसे बचाने के नाम पर उसका उद्गम मिटा देना समझदारी नहीं। विरासत का अर्थ हर पुरानी चीज को पूजनीय मानना नहीं, बल्कि उसे उसके समय और संदर्भ के साथ समझना है।

इस विवाद का दूसरा पहलू अधिक महत्वपूर्ण है—हम बच्चों को भाषा समझाना चाहते हैं या उससे बचाना? शिक्षा का काम ऐसे शब्द चुनना नहीं, जिनमें गलत अर्थ की कोई संभावना न हो; बल्कि यह सिखाना है कि शब्द का अर्थ संदर्भ से बनता है। संस्कार शब्द काटकर नहीं, अर्थ समझाकर बनते हैं। किसी पुराने शब्द का अर्थ आज बदल गया हो तो बच्चों को उसका संदर्भ समझाया जा सकता है और जरूरत हो तो पाठ्य-सामग्री में टिप्पणी दी जा सकती है। हर असुविधाजनक शब्द हटाना आसान रास्ता है, लेकिन यह सांस्कृतिक रूप से हमेशा सुरक्षित नहीं। शब्द हटाने से समस्या खत्म नहीं होती; कई बार वह अगली समस्या का रास्ता खोल देती है।

असल सवाल इसलिए 'बूर' का नहीं, हमारी दृष्टि का है। क्या हम हर पुराने शब्द को वर्तमान पूर्वाग्रहों की अदालत में पेश करेंगे या उसके समय, संदर्भ और लोक-स्मृति को भी सुनेंगे? किसी रचना पर असहमति होना स्वाभाविक है और भाषा समय के साथ बदलती भी है, लेकिन परिवर्तन और विलोपन एक ही बात नहीं।

चंदा मामा की लोरी को बचाए रखने का अर्थ यह नहीं कि हम भाषा को स्थिर कर दें; इसका अर्थ केवल इतना है कि परिवर्तन की प्रक्रिया में स्मृति को अपराधी न बनाया जाए। जो समाज अपनी लोरियों से शर्माने लगे, वह धीरे-धीरे अपनी स्मृतियों से भी असहज होने लगता है।

किसी लोरी की पंक्ति पर ठहर जाना आसान है, उसके पीछे चली आ रही पीढ़ियों की स्मृति को समझना कठिन। यदि चिंता बच्चों के मानसिक संसार की है तो उस सामग्री पर ध्यान देना होगा, जिसमें अश्लीलता, उत्तेजना और अभद्रता जानबूझकर परोसी जा रही है।

वहां सामाजिक जिम्मेदारी और अभिभावकीय सजगता जरूरी है। लेकिन जिस लोरी ने पीढ़ियों को चाँद से रिश्ता सिखाया, उसे आज की नजर के संदेह से क्यों देखा जाए? समय बदले, भाषा बदले, शब्दों के अर्थ बदलें—यह स्वाभाविक है। मगर विरासत की हर पंक्ति को बदलती दृष्टि के हवाले कर देंगे तो एक दिन हमारे पास लोरियां तो होंगी, उनकी वह मासूम दुनिया नहीं, जिसमें पीढ़ियां पलती रही हैं।

मुफ़्त रेवड़ियों से कामचोरी-निकम्मापन: शिक्षा-स्वास्थ्य से आत्मनिर्भर-कर्मठता

एनके शर्मा
लेखक

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि इस बात से नहीं मापी जा सकती कि उसकी सरकार ने नागरिकों को कितनी मुफ्त वस्तुएं बांटीं, बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि उसने कितने नागरिकों को अपने पैरों पर खड़ा होने योग्य बनाया। भूखे व्यक्ति को भोजन देना मानवीय कर्तव्य है, बीमार व्यक्ति का उपचार कराना राज्य की जिम्मेदारी है और अत्यंत गरीब परिवार को संकट के समय आर्थिक सहारा देना सामाजिक सुरक्षा का आवश्यक हिस्सा है। लेकिन यदि कल्याणकारी व्यवस्था का स्थायी लक्ष्य नागरिक को उत्पादक, शिक्षित, स्वस्थ और रोजगार-सक्षम बनाने के बजाय लगातार किसी मुफ्त सुविधा का लाभार्थी बनाए रखना बन जाए, तो प्रश्न केवल सरकारी खर्च का नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य का हो जाता है। यहीं से 'रेवड़ी' और 'सशक्तिकरण' के बीच का अंतर समझना आवश्यक है। हर मुफ्त सुविधा रेवड़ी नहीं होती और हर नकद सहायता अनुपयोगी नहीं होती। विश्व बैंक के अध्ययन बताते हैं कि सुविचारित नकद हस्तांतरण गरीबी कम करने के साथ बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और परिवारों के निवेश को बेहतर कर सकते हैं। दीर्घकालिक और पूर्वानुमेय सहायता कई मामलों में परिवारों को आय-सृजन वाली गतिविधियों में निवेश करने में भी मदद करती है। इसलिए समस्या गरीब को सहायता देने में नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था में है जिसमें सहायता व्यक्ति की क्षमता बढ़ाने के बजाय उसकी स्थायी निर्भरता का आधार बन जाए। लोकतांत्रिक सरकारों के सामने यह एक कठिन संतुलन है। जनता को तत्काल राहत चाहिए और सरकार को दीर्घकालिक राष्ट्र-निर्माण भी करना है। चुनावी राजनीति में तत्काल दिखाई देने वाला लाभ अक्सर दीर्घकालिक निवेश की तुलना में अधिक आकर्षक प्रतीत हो सकता है। लेकिन सड़क, विद्यालय, अस्पताल, शिक्षक, डॉक्टर, प्रयोगशालाएं, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार और उद्यमिता पर किया गया निवेश भले ही तत्काल राजनीतिक लाभ न दे, वह आने वाली पीढ़ियों की उत्पादक क्षमता को बदल सकता है। एक गरीब परिवार को हर महीने कुछ धन मिलना उसके वर्तमान संकट को कम कर सकता है; लेकिन उसी परिवार के बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण, डिजिटल एवं व्यावसायिक कौशल और स्वस्थ वातावरण मिल जाए तो उसकी पूरी जीवन-दिशा बदल सकती है। इसी प्रकार बीमार व्यक्ति को एक बार इलाज की सहायता देना जरूरी है, लेकिन ऐसी सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था कहीं अधिक परिवर्तनकारी है जिसमें बीमारी की रोकथाम, प्राथमिक उपचार, आवश्यक दवाएं और गंभीर बीमारी का उपचार आर्थिक विनाश का कारण न बने। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का उद्देश्य यही है कि लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं आर्थिक कठिनाई के बिना मिलें। 2022 में दुनिया भर में लगभग 2.1 अरब लोग स्वास्थ्य पर जेब से होने वाले खर्च के कारण वित्तीय कठिनाई से प्रभावित हुए और लगभग 1.6 अरब लोग इससे गरीबी में धकेले गए या और गरीब हुए। इसका अर्थ स्पष्ट है—स्वास्थ्य पर सार्वजनिक निवेश केवल कल्याणकारी खर्च नहीं, आर्थिक सुरक्षा की बुनियाद भी है। स्वस्थ नागरिक अधिक समय तक काम कर सकता है, बेहतर सीख सकता है और परिवार तथा अर्थव्यवस्था में अधिक प्रभावी योगदान दे सकता है। हल्थ्ड भी स्वास्थ्य-व्यवस्था को श्रम-आपूर्ति और उत्पादकता बढ़ाने वाला आर्थिक निवेश मानता है। अतः अस्पताल बनाना, चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाना, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत करना और आवश्यक दवाओं को सुलभ बनाना सरकारी खजाने पर बोझ मात्र नहीं है; यह राष्ट्र की उत्पादक क्षमता में निवेश है।

शिक्षा का महत्व इससे भी व्यापक है। अशिक्षित या कमजोर शिक्षा प्राप्त नागरिक को बार-बार सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है, जबकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उसे अपनी आय पैदा करने की क्षमता देती है। वठएरउड की 2026 की रिपोर्ट भी शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा में निवेश को आर्थिक परिवर्तन तथा उत्पादकता से जोड़ती है और उपलब्ध साक्ष्यों में अतिरिक्त स्कूली शिक्षा तथा आय और उत्पादकता के बीच संबंध रेखांकित करती है। इसलिए किसी भी देश की कल्याणकारी नीति का प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि 'कितना मुफ्त बांटा जाए', बल्कि यह होना चाहिए कि 'कितने लोगों को आत्मनिर्भर बनाया जाए'। मुफ्त शिक्षा यदि उत्कृष्ट शिक्षक, आधुनिक पाठ्यक्रम, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगारपरक कौशल से जुड़ी है, तो वह मुफ्तखोरी नहीं—मानव-पूंजी निर्माण है। इसी तरह गरीब परिवार के बच्चे के लिए पोषणयुक्त भोजन, छात्रवृत्ति या परिवहन सहायता उस समय सामाजिक निवेश बन जाती है जब उसका उद्देश्य बच्चे को विद्यालय से जोड़ना और उसकी शिक्षा पूरी कराना हो।

दूसरी ओर, यदि सार्वजनिक नीति नागरिक की क्षमता निर्माण से विमुख होकर केवल तत्काल उपभोग को बढ़ाती है, तो उसके आर्थिक और सामाजिक प्रभावों का गंभीर मूल्यांकन आवश्यक है। हर ऐसी योजना को केवल लोकप्रियता के आधार पर उचित नहीं माना जा सकता। उसका वित्तीय स्रोत क्या है? कितने समय तक वह टिकाऊ है? उसका वास्तविक लाभ किस वर्ग को मिल रहा है? क्या उससे रोजगार और उत्पादकता बढ़ रही है? क्या वह शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल पर सार्वजनिक निवेश को कमजोर कर रही है? ऐसे प्रश्न लोकतंत्र में पूछे जाने चाहिए। यहां एक और महत्वपूर्ण तथ्य है—सामाजिक सुरक्षा और रोजगार एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। विश्व बैंक की 2025 की सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट रोजगार कार्यक्रमों, सार्वजनिक कार्यों, बेरोजगारी बीमा और नौकरी-स्थापन सेवाओं को गरीबों की रोजगार-संभावना, आय और कौशल सुधारने वाले साधनों के रूप में रेखांकित करती है। अर्थात बेहतर मॉडल वह हो सकता है जिसमें संकटग्रस्त व्यक्ति को सुरक्षा भी मिले और आगे बढ़ने का रास्ता भी। राष्ट्र को ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जिसमें कोई बच्चा गरीबी के कारण शिक्षा से वंचित न हो, कोई परिवार बीमारी के कारण कर्ज में न डूबे, कोई युवा कौशल के अभाव में बेरोजगार न रहे और कोई सक्षम व्यक्ति केवल इसलिए निष्क्रिय न बैठे कि व्यवस्था ने उसके लिए न्यूनतम उपभोग की सुविधा सुनिश्चित कर दी है। सुरक्षा-जाल इतना मजबूत होना चाहिए कि व्यक्ति गिरने पर संभल सके; लेकिन इतना स्थायी और निष्क्रियकारी नहीं कि वह उठकर चलने की आवश्यकता ही भूल जाए। भारत सहित विकासशील देशों के सामने आज सबसे बड़ा प्रश्न केवल गरीबी हटाने का नहीं, बल्कि गरीबी की पुनरावृत्ति रोकने का है। यदि एक पीढ़ी को सहायता देकर अगली पीढ़ी भी उसी सहायता पर निर्भर रहती है, तो गरीबी का चक्र टूटता नहीं। लेकिन यदि उसी संसाधन से विद्यालय, अस्पताल, कौशल केंद्र, इंटरनेट, अनुसंधान, सिंचाई, परिवहन, छोटे उद्योग और रोजगार के अवसर पैदा किए जाएं, तो सहायता धीरे-धीरे क्षमता में बदल सकती है। वास्तविक जनकल्याण वह नहीं जो नागरिक को हमेशा सरकार की ओर देखने के लिए विवश करे; वास्तविक जनकल्याण वह है जो नागरिक को एक दिन सरकार की ओर देखे बिना अपना जीवन चलाने की क्षमता दे। एक हाथ में सहायता और दूसरे हाथ में अवसर—कल्याणकारी राज्य का यही संतुलित स्वरूप होना चाहिए। सरकारों को भी यह समझना होगा कि जनता केवल लाभार्थियों का समूह नहीं, बल्कि राष्ट्र की सबसे बड़ी उत्पादक शक्ति है। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर तकनीक, सिंचाई, बाजार और उचित मूल्य चाहिए। श्रमिक को केवल सहायता नहीं, सुरक्षित रोजगार और कौशल चाहिए। युवा को केवल भत्ता नहीं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षण और उद्यम का अवसर चाहिए। महिला को केवल योजना का लाभार्थी नहीं, आर्थिक रूप से स्वतंत्र सहभागी बनाना होगा। मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य इसलिए विशेष महत्व रखते हैं क्योंकि वे व्यक्ति की क्षमता पर निवेश करते हैं। शिक्षा सोचने की शक्ति देती है, स्वास्थ्य काम करने की शक्ति देता है और कौशल कमाने की शक्ति देता है। इन तीनों का सम्मिलित परिणाम आत्मनिर्भर नागरिक है। अंततः किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसका खजाना नहीं, उसके नागरिक हैं। खजाना खर्च होकर समाप्त हो सकता है, लेकिन शिक्षित, स्वस्थ, कुशल और कर्मठ नागरिक लगातार नई संपदा पैदा कर सकते हैं। इसलिए सार्वजनिक नीति का लक्ष्य ऐसी पीढ़ी तैयार करना होना चाहिए जो सहायता की पात्रता से आगे बढ़कर अवसर की पात्रता अर्जित करे और अवसर को उपलब्धि में बदल सके। जरूरतमंद को सहायता देना संवेदनशील राज्य का दायित्व है; लेकिन उसे हमेशा जरूरतमंद बनाए रखना किसी भी समाज की अंतिम मंजिल नहीं हो सकती। लोकतंत्र का असली अर्थ नागरिक को केवल राहत देना नहीं, बल्कि उसे गरिमा, अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के माध्यम से इतना सक्षम बनाना है कि वह स्वयं अपने भविष्य का निमार्ता बन सके। रेवड़ियों से क्षणिक राहत मिल सकती है; शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और रोजगार से पीढ़ियां बदलती हैं। राष्ट्र का भविष्य मुफ्त बांटने में नहीं, नागरिक की क्षमता बढ़ाने में सुरक्षित होता है।

वैज्ञानिक सोच: प्रगति की पहली सीढ़ी

डॉ विजय गर्ग
लेखक

वैज्ञानिक सोच केवल प्रयोगशालाओं, जटिल प्रयोगों या वैज्ञानिक खोजों तक सीमित नहीं है। यह जिज्ञासा, निरीक्षण, प्रश्न, प्रमाण और तार्किक विचार के माध्यम से दुनिया को समझने का एक तरीका है। यह हमें केवल यह पूछने के लिए प्रेरित नहीं करती कि क्या होता है, बल्कि यह भी पूछने के लिए प्रेरित करती है कि क्यों और कैसे होता है।

हर बड़ी वैज्ञानिक प्रगति एक प्रश्न से शुरू होती है। जब मनुष्य ने यह जानने का प्रयास किया कि सूर्य क्यों उगता और डूबता है, बीमारियाँ कैसे फैलती हैं, वस्तुएँ नीचे क्यों गिरती हैं या तारे कैसे गति करते हैं, तब मानव ज्ञान की ऐसी यात्रा शुरू हुई जिसने सभ्यता को बदल दिया। जिज्ञासा जाँच में बदली, जाँच से प्रमाण मिले और प्रमाणों ने नई खोजों का मार्ग प्रशस्त किया।

वैज्ञानिक सोच हमें सिखाती है कि किसी भी दावे को केवल इसलिए स्वीकार न किया जाए क्योंकि वह पुराना, लोकप्रिय या बार-बार दोहराया जाता है। इसके बजाय हमें प्रमाणों की जाँच करनी चाहिए और तथ्यों तथा धारणाओं के बीच अंतर समझना चाहिए। गलत सूचना, सोशल मीडिया और तेजी से फैल रही अप्रमाणित जानकारी के इस युग में यह दृष्टिकोण और भी महत्वपूर्ण हो गया है।

युवाओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालयों को विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने, प्रयोग करने, निरीक्षणों का विश्लेषण करने और गलतियों से सीखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। जो विद्यार्थी 'क्यों?' पूछता है, वह वैज्ञानिक समझ की दिशा में पहला कदम उठा रहा होता है।

वैज्ञानिक सोच दैनिक जीवन में भी उतनी ही उपयोगी है। यह स्वास्थ्य, तकनीक, पर्यावरण, वित्त और सामाजिक मुद्दों के बारे में समझदारी से निर्णय लेने में सहायता करती है। यह अफवाहों, अंधविश्वासों और बिना प्रमाण वाले दावों के प्रभाव को कम करके तर्कसंगत निर्णय लेने की क्षमता विकसित करती है। वैज्ञानिक सोच का अर्थ यह नहीं है कि हम परंपराओं या विश्वासों को बिना जाँच के अस्वीकार कर दें। इसका अर्थ है कि हम सम्मानपूर्वक प्रश्न पूछने और विश्वसनीय प्रमाण खोजने की आदत विकसित करें। इसके साथ यह विनम्रता भी आवश्यक है कि जब नए और अधिक मजबूत प्रमाण सामने आएँ, तो हम अपनी राय बदलने के लिए तैयार रहें। किसी समाज की प्रगति केवल उसके तकनीकी संसाधनों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उसकी सोच की गुणवत्ता पर भी निर्भर करती है। जिम्मेदार और तार्किक सोच के बिना उन्नत तकनीक भी नई चुनौतियाँ पैदा कर सकती है। इसलिए जिम्मेदार नवाचार और सतत विकास के लिए वैज्ञानिक सोच अत्यंत आवश्यक है।

कक्षा से लेकर अनुसंधान प्रयोगशाला तक, कृषि से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान तक—प्रगति की शुरूआत एक प्रश्न करने वाले मन से होती है। जब जिज्ञासा प्रमाण और तर्क से जुड़ती है, तो विचार खोजों में और खोजें समाधानों में बदल सकती हैं।

वैज्ञानिक सोच केवल विज्ञान पढ़ने की पद्धति नहीं, बल्कि सोचने की एक जीवन-पद्धति है। जब कोई समाज प्रश्न पूछना, जाँच करना और तार्किक ढंग से सोचना सीख लेता है, तो वह प्रगति की दिशा में अपना पहला महत्वपूर्ण कदम उठा लेता है।

गौरव हत्याकांड: डीएम कार्यालय पर परिजनों का हंगामा

भाकियू कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठे परिजन, आरोपियों को गांव से बाहर करने और सुरक्षा देने की मांग; एडीएम ने दिया जायज मांगें पूरी करने का आश्वासन

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। गांव मोहम्मदपुर आजमपुर निवासी गौरव त्यागी हत्याकांड को लेकर सोमवार को मृतक के परिजनों और भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने डीएम कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। परिजनों ने आरोप लगाया कि हत्या के बाद प्रशासन की ओर से किए गए आश्वासनों और मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। अपनी मांगों को लेकर परिजन और भाकियू कार्यकर्ता डीएम कार्यालय परिसर में धरने पर बैठ गए। इस दौरान कुछ देर के लिए हंगामे और नोकझोंक की स्थिति भी बनी। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि आरोपी पक्ष के लोगों को गांव से बाहर किया जाए और उनके घरों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। परिजनों ने कहा कि यदि उन्हें सुरक्षा और न्याय का भरोसा नहीं मिला तो परिवार गांव से पलायन करने को मजबूर होगा। प्रदर्शन के दौरान गौरव की मां, बहन और पिता भावुक होकर रो पड़े। परिजनों ने आरोपियों से परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग की। सोमवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पीड़ित परिवार के साथ डीएम कार्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर धरना शुरू कर दिया। पुलिस ने उन्हें मुख्य गेट से हटाकर निर्धारित धरना स्थल पर बैठने के लिए कहा। इसी दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई। भाकियू युवा के जिलाध्यक्ष ज्ञानेश्वर त्यागी ने कहा कि पीड़ित परिवार को आरोपियों के पक्ष से खतरा महसूस हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मामले में पीड़ित पक्ष की मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि परिवार को यदि सुरक्षा का भरोसा नहीं मिला तो उसके सामने गांव से पलायन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी पक्ष पीड़ित परिवार के लोगों को झूठे मुकदमों में फंसा सकता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि ऐसी स्थिति को रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। साथ ही गौरव की हत्या के बाद परिवार को दिए गए आश्वासनों को पूरा करने, पीड़ित परिवार एवं संबंधित पक्षकारों को शस्त्र लाइसेंस उपलब्ध कराने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की गई।

गवाही देने कचहरी जा रहे गौरव की हुई थी हत्या

बताया गया कि 18 अगस्त को गांव के ही कुछ लोगों ने आपसी रंजिश के चलते गौरव त्यागी पर हथौड़े और लाठी-डंडों से हमला किया था। हमले में गंभीर रूप से घायल गौरव की मौत हो गई थी। वह पूर्व में दर्ज एक मुकदमे में आरोपियों के खिलाफ गवाही देने के लिए हापुड़ कचहरी जा रहे थे। घटना के बाद मृतक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने सात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस के अनुसार मामले में नामजद सभी सात आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। मामले में एक आरोपी के पैर में पुलिस मुठभेड़ के दौरान गोली लगने की बात भी सामने आई थी। घटना के बाद से गौरव का परिवार सदमे में है और लगातार सुरक्षा तथा न्याय की मांग कर रहा है।

एडीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रदर्शन के बाद पीड़ित परिवार और भाकियू पदाधिकारियों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन एडीएम संदीप सिंह को सौंपा। ज्ञापन में परिवार की सुरक्षा, आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई, पूर्व में किए गए प्रशासनिक आश्वासनों को पूरा करने तथा शस्त्र लाइसेंस उपलब्ध कराने समेत अन्य मांगें रखी गईं। एडीएम संदीप सिंह ने कहा कि पीड़ित परिवार की सभी जायज मांगों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी और परिवार की सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक बिंदुओं पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने अपनी बात अधिकारियों के समक्ष रखी और मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

पट्टी कोतवाली के बाथरूम में युवक की संदिग्ध मौत

प्रतापगढ़ (वेलकम इंडिया)। पट्टी कोतवाली परिसर के बाथरूम में 22 वर्षीय अर्जुन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। युवक की मौत को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बताया जा रहा है कि पुलिस एक युवती को बरामद कर कोतवाली लाई थी। पुलिस के अनुसार युवक भी युवती के पीछे-पीछे कोतवाली पहुंच गया था। इसी दौरान मुकदमा दर्ज होने से नाराज युवक बाथरूम जाने के बहाने अंदर गया, जहां बाद में उसकी मौत की जानकारी सामने आई। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर भारी पुलिस बल के साथ कोतवाली पहुंचे।

पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी पड़ताल की जा रही है। वही थाना पट्टी में घटित घटना में स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही कार्यवाही के संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी आलोक कुमार भाटी की बाइट। जिसमें उन्होंने मृतक द्वारा आत्महत्या की बात कही जा रही है, जबकि परिजन हत्या का आरोप लगा रहे है।

रेहान खान नेता नहीं, सपा के सच्चे सिपाही: समाजसेवा को बनाया मिशन, गरीबों की मदद से लेकर शादी तक निभा रहे जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया/मोहम्मद असलम

पलिया कलां खीरी। समाजवादी पार्टी की नीतियों और समाजवादी विचारधारा को धरातल पर उतारने के लिए पार्टी के प्रदेश सचिव रेहान खान दिन-रात एक किए हुए हैं। अपने नाम 'रेहान' यानी 'खुशबू' की तरह वह अपने सेवा, त्याग और समर्पण से पूरे क्षेत्र को महका रहे हैं। पलिया निवासी रेहान खान आम जनता के बीच किसी पद के रौब से नहीं, बल्कि एक सच्चे जनसेवक के रूप में अपनी अमिट पहचान बना चुके हैं। क्षेत्र में जब भी कोई गरीब, बेबस या पीड़ित संकट में होता है, रेहान खान सबसे पहले उसके साथ खड़े नजर आते हैं। राशन, वस्त्र वितरण से लेकर आपातकालीन आर्थिक सहायता तक, वह हर जरूरतमंद की उम्मीद का मजबूत सहारा बन चुके हैं। कुछ दिन पूर्व में मानवता की अनूठी मिसाल पेश करते हुए उन्होंने लखीमपुर खीरी के एक कैंसर पीड़ित परिवार को तत्काल ₹1(एक) लाख की आर्थिक सहायता सौंपी। उन्होंने न केवल परिवार का हौसला बढ़ाया, बल्कि मरीज के जल्द स्वस्थ होने की दिल से कामना भी की।

दर्जन भर गरीब बेटियों के हाथ पीले कराने में निभाई अहम भूमिका

जनसेवा का दायरा बढ़ाते हुए अभी हाल ही में पलिया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में रेहान खान ने एक बार फिर बड़ा दिल दिखाया। क्षेत्र के सुमेर नगर, बिशनपुर, कमलापुरी, इकराम नगर, माही ग्राम और मुजरा में एक दर्जन से अधिक गरीब बेटियों की शादी में उन्होंने बड़ी धनराशि देकर आर्थिक मदद की। इस पुनीत कार्य से उन्होंने कई जरूरतमंद परिवारों का बोझ हल्का कर बेटियों के सुखद भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद और सहयोग दिया। हिंदू, मुस्लिम, सिख हर समाज में समान भागीदारी रेहान खान का जीवन गंगा-जमुनी तहजीब का जीवंत उदाहरण है। हिंदू समाज का उत्सव हो, मुस्लिम समाज का पर्व या सिख समुदाय का आयोजन वह हर जगह तन, मन और धन से पूरी शिद्दत के साथ शामिल होते हैं। उनके लिए समाज का हर तबका एक परिवार की तरह है। सपा प्रदेश सचिव रेहान खान ने कहा कि ३मैं खुद को नेता नहीं मानता। लोग मुझे समाजवादी पार्टी का एक समर्पित सिपाही और जनसेवक समझें, यही मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है। समाजवादी विचारधारा इंसानियत सिखाती है; मेरे लिए हर धर्म, हर जाति एक समान है और क्षेत्र का प्रत्येक नागरिक मेरा भाई-बहन है। पलिया से लेकर पूरे खीरी जनपद तक रेहान खान की यह निस्वार्थ सेवा चर्चा का विषय बनी हुई है। बेटियों के हाथ पीले कराने से लेकर गंभीर मरीजों के इलाज तक में आगे खड़े रहने वाले इस जननेता के सेवा भाव ने जनता के दिलों में समाजवादी पार्टी की जड़ों को नई मजबूती दी है।

हापुड़ में 1 अक्टूबर से बिना पीयूसीसी नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

'नो वैध पीयूसीसी, नो फ्यूल' व्यवस्था लागू, पेट्रोल पंप पर ऐप से होगी प्रदूषण प्रमाणपत्र की जांच

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए जनपद हापुड़ में एक अक्टूबर 2026 से नो वैध पीयूसीसी, नो फ्यूल व्यवस्था लागू की जाएगी। नई व्यवस्था के तहत जिन वाहनों के पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) नहीं होगा, उन्हें जिले के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। शासन के निर्देश पर जिला पूर्ति विभाग ने जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों और प्रबंधकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

जिला पूर्ति अधिकारी डॉ. सीमा सिंह के अनुसार एक अक्टूबर से पेट्रोल पंप पर ईंधन लेने पहुंचने वाले वाहनों के पीयूसीसी की वैधता की जांच की जाएगी। इसके लिए वाहन एवं पीयूसीसी से संबंधित एकीकृत ऐप के माध्यम से प्रमाणपत्र का सत्यापन किया जाएगा। जांच में पीयूसीसी वैध पाए जाने के बाद ही संबंधित वाहन को पेट्रोल या डीजल दिया जाएगा। विभाग की ओर से पेट्रोल पंप संचालकों को व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन के अनुसार एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए यह व्यवस्था लागू की जा रही है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक वाहनों की नियमित प्रदूषण जांच सुनिश्चित करना और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की पहचान कर उन्हें नियंत्रित करना है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद बिना वैध पीयूसीसी के पेट्रोल पंप पहुंचने वाले वाहन चालकों को ईंधन लेने में परेशानी हो सकती है। ऐसे में वाहन स्वामियों से समय रहते अपने वाहन की प्रदूषण जांच कराने और वैध पीयूसीसी बनवाने की अपील की गई है।

एक अक्टूबर से पहले करा लें प्रदूषण जांच

जिला पूर्ति विभाग ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे एक अक्टूबर से पहले अपने वाहनों की प्रदूषण जांच कराकर वैध पीयूसीसी बनवा लें। जिन वाहन स्वामियों के पुराने प्रदूषण प्रमाणपत्र की वैधता समाप्त हो गई है, वे उसका नवीनीकरण करा लें, ताकि नई व्यवस्था लागू होने के बाद पेट्रोल-डीजल लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। अधिकारियों के मुताबिक यह व्यवस्था शासन के आदेश तथा अपर आयुक्त, खाद्य एवं रसद विभाग के निर्देशों के अनुपालन में लागू की जा रही है। पेट्रोल पंपों पर पीयूसीसी की जांच व्यवस्था शुरू होने के बाद विभाग इसकी निगरानी भी करेगा।

श्री रामकृष्ण सत्संग मंडल की 40वीं वर्षगांठ एवं राधा जी का पार्टी दिवस मनाया

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

चांदपुर। श्री रामकृष्ण सत्संग मंडल की 40वीं वर्षगांठ एवं राधा जी का पार्टी दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस अवसर पर 40 दीपक प्रज्वलित किए गए तथा राधा जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया। चांदपुर नगर के मोहल्ला साहूवान स्थित पंडित गुरु नेतराम के मंदिर में श्री रामकृष्ण सत्संग मंडल की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर राधा जी का प्रकटोत्सव दिवस सनातन पद्धति के आधार पर मनाया गया।

राधा जी के चरित्र पर प्रकाश डालते हुए अजय कुमार कौशिक ने कहा कि राधा रानी भक्ति परंपरा में प्रेम समर्पण और भक्ति की सर्वोच्च प्रतीक मानी जाती हैं ।विशेष रूप से वैष्णव परंपराओं में राधा जी को श्री कृष्ण की परम प्रिय शक्ति और उनकी आहलादिनी शक्ति के रूप में वर्णित किया गया है परंपरागत मान्यता के अनुसार राधा जी का प्रकटोत्सव बरसाना क्षेत्र में हुआ था उनके पिता का नाम रस भानु तथा माता का नाम कीर्तिदा था राधा जी का बालपन ब्रजभूमि में बीता। बचपन से ही उनका संबंध श्री कृष्ण से जोड़ा जाता है। राधा कृष्ण का संबंध सामान्य सांसारिक संबंध से ऊपर आध्यात्मिक प्रेम और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। ब्रज की लोक कथाओं और भक्ति साहित्य में दोनों के साथ रास, झूला, होली व अन्य लीलाओं का वर्णन मिलता है। भक्ति परंपरा में राधा जी का महत्व इसलिए विशेष है क्योंकि वह निष्काम प्रेम और पूर्ण समर्पण का आदर्श प्रस्तुत करती हैं। भक्त कवियों ने राधा जी के माध्यम से यह संदेश दिया कि ईश्वर के प्रति सच्ची भक्ति में अहंकार, स्वार्थ और सांसारिक अपेक्षाओं का त्याग होता है। राधा जी का विस्तृत चरित्र विशेष रूप से बाद की वैष्णो भक्ति परंपराओं और ब्रज साहित्य में विकसित हुआ। सूरदास, रसखान हित हरिवंश, चैतन्य परंपरा और अनेक संत कवियों ने श्री राधा कृष्ण के प्रेम को अपनी रचनाओं का केन्द्र बनाया। राधा जी का जीवन और उनसे आत्मिक स्वरूप हमें मुख्यतः निष्काम प्रेम ,पूर्ण समर्पण, विनम्रता ,ईश्वर की प्रति अटूट श्रद्धा, करुणा और प्रेम की प्रेरणा देते हैं। संक्षेप में राधा जी केवल श्री कृष्ण की प्रिया के रूप में ही नहीं बल्कि भारतीय परंपरा में परम भक्ति ,परम प्रेम और भक्ति के आदर्श मूर्ति के रूप में प्रतिष्ठित हैं इसलिए भक्ति परंपरा में राधा कृष्ण का नाम साथ साथ लिया जाता है। कार्यक्रम में श्री रामकृष्ण मंडल के अध्यक्ष सुखदेव भाटिया विक्की बस्सी, विपुल तायल, नमन कौशिक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किए। इस अवसर पर गायक। उद्धव टोंक द्वारा सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुति की गई कार्यक्रम में दीपक कौशिक, बाबूराम शर्मा, रामकृष्ण कौशिक, आदित्य सागर, ध्रुव बस्सी, व्योम कौशिक, जानवी अग्रवाल, खुशी अग्रवाल, सुषमा वर्मा, शेखर वर्मा, प्रीति अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, कुमार सैनी, कृतिका अग्रवाल, उद्धव आदि ने भाग लिया।

हापुड़ में युवक में डेंगू की पुष्टि, बुजुर्ग स्वाइन फ्लू की चपेट में

जिले में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या 20 पहुंची, डेंगू के अब तक सात मामले सामने आए; अस्पतालों में बढ़ी बुखार के मरीजों की भीड़

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। जिले में डेंगू और स्वाइन फ्लू के मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी और जांच बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को जिला अस्पताल की प्रयोगशाला में हुई जांच में एक 65 वर्षीय बुजुर्ग की स्वाइन फ्लू रिपोर्ट पॉजिटिव आई। वहीं नगर के महेशपुरी मोहल्ला निवासी 26 वर्षीय युवक में डेंगू की पुष्टि हुई है। दोनों मरीजों का उपचार अस्पताल में चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सोमवार को जांच के दौरान 65 वर्षीय बुजुर्ग में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई। इसके साथ ही जिले में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। विभाग के रिकॉर्ड में दो मरीजों को दोबारा दर्ज किए जाने की बात भी सामने आई है, जिसके कारण आंकड़ों को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और संदिग्ध मरीजों की जांच तेज करने के निर्देश दिए हैं। वहीं महेशपुरी निवासी 26 वर्षीय युवक की जांच रिपोर्ट में डेंगू की पुष्टि हुई है। जिले में पिछले कुछ समय से डेंगू के मामले सीमित संख्या में सामने आ रहे थे, लेकिन नए मरीज की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों को अब भी विभिन्न स्थानों पर डेंगू का लार्वा मिल रहा है। इस वर्ष जिले में डेंगू के पुष्ट मरीजों की संख्या अब सात हो गई है।

अस्पतालों में बुखार के मरीजों की भीड़

मौसम में बदलाव के बीच सरकारी अस्पतालों में बुखार के मरीजों की संख्या भी लगातार बनी हुई है। सोमवार को जिला अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचे। अस्पताल के बुखार संबंधी वार्डों में मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण व्यवस्था पर दबाव बना हुआ है। जांच कराने के लिए मरीजों को लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है। रक्त का नमूना देने में मरीजों को करीब डेढ़ से दो घंटे तक का समय लग रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से बुखार, तेज सिरदर्द, बदन दर्द, खांसी या सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण होने पर चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है। साथ ही घर और आसपास पानी जमा न होने देने तथा मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने पर जोर दिया गया है।

कलियर शरीफ दरगाह में मुरादाबाद के मोहम्मद अनवार मलिक ने की चादरपोशी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। राष्ट्रीय भाईचारा चौधरी चरण सिंह मिशन के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव मोहम्मद अनवार मलिक अपनी टीम के साथ उत्तराखंड स्थित कलियर शरीफ पहुंचे। यहां उन्होंने प्रसिद्ध दरगाह हजरत साबिर पाक पर अकीदत के साथ हाजिरी दी और चादरपोशी की रस्म अदा कर देश में अमन, चैन, खुशहाली, आपसी भाईचारे और तरक्की की दुआ मांगी। दरगाह शरीफ पहुंचने पर अकीदतमंदों ने पूरे अदब और एहतराम के साथ मजार-ए-मुबारक पर चादर पेश की। इस दौरान फातिहाख्वानी और दुआ-ए-खैर का सिलसिला भी हुआ। मोहम्मद अनवार मलिक ने कहा कि बुजुगार्ने-दीन की दरगाहें इंसानियत, मोहब्बत, भाईचारे और एकता का पैगाम देती हैं। इन मुकद्दस स्थानों पर पहुंचकर दिल को सुकून मिलता है और समाज में आपसी सौहार्द कायम रखने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान बिट्टू, रिजवान एवं चीमा पहलवान की दस्तारबंदी की रस्म भी अदा की गई। दस्तारबंदी के दौरान मौजूद लोगों ने उन्हें मुबारकबाद दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए दुआ की। इस धार्मिक एवं रूहानी कार्यक्रम में दूर-दराज के क्षेत्रों के साथ-साथ कलियर शरीफ से आए अकीदतमंदों और स्थानीय लोगों ने भी शिरकत की। सभी ने मिलकर मुल्क में अमन-ओ-अमान, भाईचारे, आपसी मोहब्बत और खुशहाली के लिए दुआ की। इस मौके पर चौधरी चरण सिंह विचारधारा से जुड़े अनवर मलिक, आसिफ ठेकेदार, चीमा पहलवान, बिट्टू, साहू मीर, तस्लीम, साबरी, रिजवान, गुड्डू मियां और खादिम समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

यूपी पुलिस के सिपाही समेत आठ पर केस दर्ज

बाबूगढ़। थाना क्षेत्र के गांव मुबारिकपुर सलामतपुर निवासी कुंवरपाल ने दस लाख रुपये के लगातार दबाव से परेशान होकर जहरीला पदार्थ आत्महत्या की थी। गांव निवासी एक यूपी पुलिस के सिपाही समेत आठ नामजद लोगों पर यह आरोप लगाते हुए मृतक के पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। गांव निवासी अंशुल कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनके पिता कुंवरपाल गांव में लोगों को दवाई देने का काम करते थे। सात जुलाई 2026 को गांव के ही जयवीर की तबीयत खराब अचानक खराब होने पर उनके परिजन उन्हें दवाई दिलाने उनके पिता के पास आए थे। उनके पिता ने उन्हें दवाई दे दी और कुछ समय बाद जयवीर की मौत हो गई। आरोप है कि इसके बाद जयवीर के परिजन यूपी पुलिस में सिपाही रुपचंद, भूपेंद्र, वीर सिंह, आकाश, विकास निवासी गांव मुबारिकपुर सलामतपुर और शशि, प्रमोद व विनोद निवासी गांव नरहेड़ा जिला मेरठ गलत दवा देकर जयवीर की मौत होने का आरोप लगाकर उनके पिता से दस लाख रुपये मांगने का दबाव बनाने लगे। रुपये न देने पर आरोपी उनके पिता को जेल भिजवाने की धमकी भी देने लगे।

सर्वेश शुक्ल अर्पित ने डीएम अभिषेक पांडेय को भेंट की अपनी पुस्तक 'अर्नू'

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। विश्व प्रसिद्ध साहित्यकार, विचारक एवं कवि अर्पित सर्वेश शुक्ला ने सोमवार को प्रतापगढ़ के जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर अर्पित सर्वेश ने जिलाधिकारी को अपनी पुस्तक 'अर्नू' भेंट की। दोनों के बीच साहित्य, लेखन तथा प्रतापगढ़ की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पहचान को लेकर बातचीत हुई। भेंट के दौरान अर्पित सर्वेश ने अपने साहित्यिक सफर और अब तक किए गए लेखन कार्यों के बारे में जिलाधिकारी को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वे बचपन से ही साहित्य और लेखन को अपने जीवन का उद्देश्य मानकर कार्य कर रहे हैं तथा अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रतापगढ़ की पहचान को व्यापक स्तर पर पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। अर्पित सर्वेश ने कहा कि प्रतापगढ़ जैसे जनपद को अभिषेक पांडेय जी जैसे जिलाधिकारी का नेतृत्व मिलना उनके लिए खुशी और गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी ने जिस आत्मीयता और सम्मान के साथ उनसे मुलाकात की तथा उनके साहित्यिक कार्यों के लिए अपना समय दिया, वह उनके लिए अप्रत्याशित और बेहद सुखद अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि मुझे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि जिलाधिकारी मेरे साहित्यिक कार्यों को इतनी आत्मीयता से सुनेंगे और मुझे इतना समय देंगे। जिस सम्मान और सहजता के साथ अभिषेक पांडेय जी ने मुझसे बातचीत की, वह मेरे लिए बेहद सुखद और प्रेरणादायक रहा। मुझे खुशी है कि प्रतापगढ़ को ऐसा जिलाधिकारी मिला है, जो युवाओं और उनकी रचनात्मक गतिविधियों को सम्मान और प्रोत्साहन देते हैं। जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय ने अर्पित सर्वेश के साहित्यिक प्रयासों की सराहना करते हुए उनके लेखन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने रचनात्मक एवं साहित्यिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए अर्पित को प्रोत्साहित किया।

अर्पित सर्वेश ने इस मुलाकात को अपने साहित्यिक जीवन का प्रेरणादायक अवसर बताते हुए कहा कि अपने ही जनपद के जिलाधिकारी से साहित्य को लेकर मिला सम्मान और प्रोत्साहन उनके लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि यह अनुभव उन्हें आगे और अधिक गंभीरता एवं निरंतरता के साथ लेखन करने की प्रेरणा देगा। वह भविष्य में भी अपनी रचनाओं और साहित्यिक गतिविधियों के माध्यम से प्रतापगढ़ का नाम देश-विदेश में पहुंचाने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

सहकारिता से मजबूत होंगे गांव, समृद्ध बनेगा उत्तराखण्ड: पुष्कर धामी

पर्वतीय क्षेत्रों की चुनौतियों के समाधान में सहकारिता बनेगी प्रभावी माध्यम, पलायन रोकने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर

वेलकम इंडिया/ओ.पी. उनियाल

देहरादून। पर्वतीय राज्य उत्तराखण्ड में सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ-साथ पलायन, कृषि और रोजगार जैसी अनेक चुनौतियों के समाधान का प्रभावी माध्यम बन सकती है। मजबूत नेतृत्व से एम-पैक्स मजबूत होंगे, मजबूत एम-पैक्स से गांव सशक्त होंगे और मजबूत गांवों से समृद्ध उत्तराखण्ड का निर्माण होगा। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर में सहकार भारती उत्तराखण्ड की ओर से आयोजित श्री लक्ष्मणराव इनामदार द्वितीय सहकारिता नेतृत्व प्रशिक्षण वर्ग के शुभारंभ सत्र को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता को मजबूत बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि पंतनगर की ज्ञानभूमि से सहकारिता के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई हैं। सहकार ग्रंथ का लोकार्पण, देवभूमि सारथी राज्य सहकारी संघ की पहल, सहकारिता से जुड़े नए पाठ्यक्रम की शुरूआत, युवाओं को सहकारिता से जोड़ने के लिए सामाजिक माध्यमों पर रील्स अभियान तथा एम-पैक्स नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम सहकारिता के क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार करेंगे। उन्होंने इन पहलों के लिए सहकारिता विभाग, पंतनगर विश्वविद्यालय और सहकार भारती को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य देवभूमि उत्तराखण्ड को “सहकार से समृद्धि” की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्य में सहकारिता की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। इसके माध्यम से पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन को रोकने, स्थानीय कृषि एवं उत्पादों को बढ़ावा देने, किसानों को बाजार उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने का मजबूत आधार बन सकती है। उन्होंने कहा कि पैक्स राज्य की सहकारिता व्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप इन्हें एम-पैक्स के रूप में अधिक सक्षम और प्रभावी बनाया जा रहा है। एम-पैक्स के माध्यम से किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने और गांवों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान, युवा और मातृशक्ति को सहकारिता से जोड़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। सहकारिता को केवल समितियों की गतिविधियों तक सीमित रखने के बजाय इसे जनभागीदारी, रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनाया जा रहा है। उन्होंने प्रशिक्षण वर्ग में शामिल प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव और जानकारी को अपने-अपने क्षेत्रों तक पहुंचाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से सहकारिता का दायरा बढ़ेगा और इसका लाभ सीधे ग्रामीण समुदाय तक पहुंचेगा। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर के कुलपति शिवेन्द्र कुमार कश्यप, सहकार भारती के राष्ट्रीय महासचिव दीपक चौरसिया, प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार गौड़, संगठन मंत्री मणिराम नौटियाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार जोशी सहित डॉ. बृजेश और डॉ. दिनेश कुमार सिंह वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

खटियावा पेट्रोल पंप के पास भीषण सड़क हादसा, एर्टिगा-बाइक की जोरदार भिड़ंत; दो युवक गंभीर

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। दुधारा थाना क्षेत्र के खटियावा पेट्रोल पंप के पास सोमवार को मारुति एर्टिगा और बाइक की जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए सेमरियावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बस्ती कैली अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे में घायल युवकों की पहचान मोईद अहमद पुत्र सईद अहमद (28) और हारून पुत्र करीमुल्ला (23), निवासी धुसुरा थाना दुधारा के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक और एर्टिगा वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना में शामिल एर्टिगा का पंजीकरण नंबर यूपी 58 एडी 3657 बताया गया है, जबकि बाइक का नंबर पता नहीं चल सका। हादसे की जानकारी मिलते ही घायलों के परिजन सेमरियावां सीएचसी पहुंच गए। दोनों युवकों की गंभीर हालत देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। अस्पताल में मौजूद ग्रामीणों ने परिजनों को ढांढस बंधाया। स्थानीय लोगों के मुताबिक खटियावा पेट्रोल पंप के आसपास सड़क पर वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है। ऐसे में तेज रफ्तार और अचानक सामने से आने वाले वाहनों के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से इस स्थान पर यातायात व्यवस्था को बेहतर करने और आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सड़क किनारे पर्याप्त संकेतक और सावधानी संबंधी बोर्ड लगाए जाने से वाहन चालकों को पहले से सतर्क किया जा सकता है।

जनसुनवाई में जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने सुनीं जनसमस्याएं

शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश, कोताही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

वेलकम इंडिया/गोविन्द मेहता

बागेश्वर। जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए शिकायतकर्ताओं की समस्याएं सुनी गईं। इस दौरान कुल 10 शिकायतें/प्रकरण दर्ज किए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने तथा शिकायतकर्ता को की गई कार्रवाई से अवगत कराने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान शिक्षा विभाग से संबंधित प्रकरणों पर जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को जनपद के विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों की विद्यालयवार एवं विकासखंडवार सूची तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही जिन विद्यालयों में शिक्षकों की कमी के कारण शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है, वहां वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। जिलाधिकारी ने खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा विद्यालयों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थिति तथा शिक्षण व्यवस्था की भी समीक्षा करने को कहा। जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं से 100 प्रतिशत कॉलिंग कर शिकायत के निस्तारण एवं कार्रवाई के संबंध में फीडबैक प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया। जिलाधिकारी ने जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार द्वारा हैलो बागेश्वर के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा, अपर जिलाधिकारी एन एस. नबियाल, उपजिलाधिकारडी प्रियंका रानी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी कुमार आदित्य तिवारी, डीडीओ संगीता आर्या, आरडब्ल्यूडी ईई रमेश चंद्रा,सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

छः सूत्रीय मांगो को लेकर भाकियू ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष प्रेमनाथ चौधरी के नेतृत्व में छः सूत्रीय मांगो को लेकर भाकियू ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। जिलाध्यक्ष प्रेमनाथ चौधरी ने बताया कि गन्ना मूल्य लागत के अनुसार छः सौ रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया जाय, गन्ने का बकाया ब्याज 16 जुलाई 2026 माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार 1996 से 2025 तक का ब्याज तत्काल किसानों को दिलाया जाय, अघोषित विद्युत कटौती रात में बन्द कराया जाय, फसल बीमा क्षति का आकलन सार्वजनिक करते हुए फसल बीमा किसानों को दिलाया जाय, धान खरीद 70 कुंतल प्रति हेक्टेयर का सत्यापन करते हुए धान क्रय केंद्रों की व्यवस्था अतिशीघ्र कराई जाय, जमीन अधिग्रहण में किसानो के जमीन का सर्किल रेट नये सर्किल रेट के अनुसार बढ़ाया जाय आदि मांगे शामिल हैं। इस दौरान पूर्वांचल उपाध्यक्ष मोरतेंद्र प्रताप चौधरी, मण्डल संगठन मंत्री हृदय राम यादव, तहसील अध्यक्ष मेहदावल रमई चौधरी, तहसील अध्यक्ष खलीलाबाद राम सुरेश चौधरी, जिला प्रवक्ता मुन्नू चौधरी,परशुराम, अहमद हुसैन, बुद्धिराम आदि मौजूद रहे।

राहुल गांधी के बयान से भाजपाई नाराज, पुतला फूंका

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के लिए कथित अभद्र टिप्पणी पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई है। नाराज भाजपा कार्यकताओं ने सोमवार को स्टेट बैंक तिराहे परएकत्रित होकर सभा करते हुए राहुल गांधी का पुतला दहन किया। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने राहुल गांधी से सार्वजनिक माफी मांगने तथा अपनी टिप्पणी पर खेद जताने की मांग की है।कहा कि देशवासी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए विकसित भारत के सपने को साकार होते देख रहे है, आजादी के बाद सबसे अधिक विकास मोदी सरकार द्वारा किया जा रहा है। विश्व मे भारत देश का मान बड़ा है।आज का भारत विश्व के लिए प्रेरणास्त्रोत बन रहा है। वही विपक्षी कांग्रेस मुद्दाविहीन हो जाने से भाजपा सरकार की उपलब्धियों को नही पचा पा रही है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान को शर्मनाक बताते हुए शीघ्र माफी मांगने की अपील की।कहा कि इस तरह का अपमान सहन नही किया जाएगा।इस दौरान पुतला दहन कार्यक्रम में विधायक कपकोट सुरेश गड़िया, दर्जा मंत्री शिव सिंह बिष्ट,भाजपा जिला महामंत्री संजय परिहार व घनश्याम जोशी, युवा मोर्चा अध्यक्ष आदर्श कठायत, जिला परिषद भेषज संघ अध्यक्ष संजय शाह, प्रकाश शाह,दीपक घस्याल, अंकित नगरकोटी, जगदीश जोशी, विवेक तिवारी, पंकज मेहता, व पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

व्यापारियों के साथ हुई मारपीट को लेकर व्यापार संघ खफा

पुलिस द्वारा जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी नही किए जाने पर आंदोलन की चेतावनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। कैमिस्ट एसोसिएशन अध्यक्ष गोकुल जोशी के साथ उनके घर मेमारपीट करने आए बाहरी बाउंसर और फिर जिला अस्पताल में जबरन व्यापारियों से मारपीट करने वाले बाहरी लोगो के खिलाफ कार्रवाई नही होने से नाराज व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक को कार्रवाई हेतु ज्ञापन सौंपा। हालांकि एसपी जितेन्द्र मेहरा से उनकी वार्ता नही हो पाई। जिसके बाद व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों ने पुलिस उपाधीक्षक अजय साह से मुलाकात कर व्यापारियों के साथ भी मारपीट पर कार्रवाई करने की मांग उठाई । व्यापारियों ने पुलिस पर अब तक बाहरी व्यक्तियों द्वारा बाउंसर लेकर पहुँचे कथित लोगों पर कार्रवाई नही होने पर नाराजगी जताई और उनके खिलाफ नगर की शांति व्यवस्था भंग करने, दबंगई दिखाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि पुलिस को कार्रवाई की मांग और आरोपियों की गिरफ्तारी को 15 दिन का समय देने के बाद भी अब तक पुलिस द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी नही की जा सकी है जिससे व्यापारियों में रोष है।जिला अस्पताल में पहुंचे व्यापारियों को बाहरी लोगों द्वारा डराया धमकाया और मारपीट की गई।जबकि व्यापारियों द्वारा शांति व्यवस्था हेतु अपील की जा रही थी। व्यापारियों ने पुलिस से जल्द व्यापारियों के साथ मारपीट करने वालों की गिरफ्तारी की मांग की।और जल्द आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नही होने पर समस्त व्यापार मंडल द्वारा आंदोलन करने की चेतावनी दी। वही पुलिस उपाधीक्षक अजय साह ने व्यापारियों को मामले में पुलिस द्वारा मामले की गहनता से जांच करने और पहले मामले में केमिस्ट गोकुल जोशी और दूसरे पक्ष के बीच पारिवारिक विवाद और उन दोनों पक्षो के विवाद का पारिवारिक तरीके से जांच कराने और जिला अस्पताल में हुई मारपीट की गहनता से जांच हेतु कोतवाली पुलिस और विवेचना अधिकारी द्वारा गहनता से जांच किए जाने और निष्पक्षता से कानूनी आधार पर कार्रवाई करने की बात कही और जल्द कार्रवाई करने का भरोसा दिया।

इस दौरान ज्ञापन देने वालों में नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष सूरज जोशी, व्यापारी नरेन्द्र खेतवाल, दलीप सिंह खेतवाल, हरीश सोनी, नवीन साह, गोविन्द साह जगाती, देवेंद्र अधिकारी, गिरीश बिष्ट, नूतन साह, योगेश पूना, इनिजिनियर प्रमोद मेहता, गोकुल जोशी, केमिस्ट मदन हरड़िया,सहित दर्जनों व्यापारी मौजूद थे।

छाता शुगर मिल आंदोलन में बढ़ा तनाव, पुलिस की कार्रवाई के बाद हजारों किसान पहुंचे

40 दिन से चल रहे धरने से प्रदर्शनकारियों को तड़के हटाया गया, करीब 30 गांवों में पंचायतें; मिल चलाने की मांग को लेकर किसानों का आंदोलन तेज

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। छाता शुगर मिल को दोबारा चालू कराने की मांग को लेकर भूतपूर्व सैनिक परिषद के बैनर तले पिछले करीब 40 दिनों से चल रहा आंदोलन सोमवार को पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई के बाद और तेज हो गया। तड़के करीब तीन बजे पुलिस ने धरना स्थल पर कार्रवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों को वहां से हटा दिया। कार्रवाई की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के करीब 30 गांवों में पंचायतें हुईं और बड़ी संख्या में किसान व ग्रामीण छाता शुगर मिल की ओर कूच करने लगे। जगह-जगह पुलिस की तैनाती और रास्तों पर रोक के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों से धरना स्थल तक पहुंच गए। धरना स्थल पर पहुंचने के बाद किसानों और महिलाओं ने मिल चालू कराने की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की। आंदोलनकारियों का कहना था कि वे लंबे समय से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग उठा रहे हैं। पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई के बाद किसानों में नाराजगी और बढ़ गई है। धरना स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए भूतपूर्व सैनिक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूबेदार कर्मयोगी ललित कुमार ने कहा कि आंदोलन अब तक शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से चलाया जा रहा था, ताकि सरकारी कामकाज में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने सरकार से छाता शुगर मिल का संचालन शुरू कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि मिल का संचालन शुरू नहीं किया जाता है तो जनप्रतिनिधियों को जनता के सवालों का जवाब देना होगा। हेमंत गुर्जर ने कहा कि किसानों और क्षेत्र के लोगों की मांग लंबे समय से लंबित है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और सरकार को क्षेत्र की जनता की समस्याओं के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। प्रदर्शन में जबर सिंह प्रधान, दिगंबर चौधरी, जोगेंद्र सूबेदार, इंद्रजीत सूबेदार, ठकुरी सूबेदार, कैलाश प्रधान, किशन सिंह आर्य, महिपाल आर्य, लोकमणीकांत जादौन, भावना और सत्यवती सहित बड़ी संख्या में किसान एवं महिलाएं मौजूद रहे। सोमवार तड़के पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई के बाद क्षेत्र के गांवों में आंदोलन को लेकर हलचल बढ़ गई। सुबह होते ही कई गांवों में पंचायतें आयोजित की गईं। ग्रामीण ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों से छाता शुगर मिल की ओर निकलने लगे। पुलिस और प्रशासनिक टीमों ने कई स्थानों पर रास्ते रोककर भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इसके बावजूद बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण विभिन्न रास्तों से होते हुए धरना स्थल तक पहुंच गए। किसानों का कहना था कि मिल के संचालन से क्षेत्र के किसानों को गन्ने की फसल और उससे जुड़े रोजगार में राहत मिलेगी। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सरकार इस मामले में जल्द निर्णय लेकर मिल को दोबारा संचालित कराने की दिशा में ठोस कदम उठाए।

शंकर नेता अकेले मिल गेट पर बैटे

पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई के बाद गांव दद्दी गढ़ी निवासी शंकर नेता छाता शुगर मिल के मुख्य गेट पर अकेले जाकर बैठ गए। इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उनसे बातचीत की। पुलिस ने उन्हें वहां से हटाकर अपनी गाड़ी में बैठाया और बाद में सुरक्षित उनके घर पहुंचा दिया। शंकर नेता ने बताया कि वह छाता शुगर मिल को चालू कराने की मांग को लेकर मिल के मुख्य गेट पर बैठे थे। पुलिस द्वारा उन्हें शांतिपूर्वक वहां से हटाकर घर पहुंचाया गया। इस घटनाक्रम का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ। आंदोलन को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने कुछ प्रमुख आंदोलनकारियों के खिलाफ भी एहतियाती कार्रवाई की। आंदोलन से जुड़े जुगल प्रधान को उनके घर पर नजरबंद किया गया, जबकि दिगंबर चौधरी को थाने में नजरबंद रखा गया। दोनों को दोपहर बाद छोड़ दिया गया। पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई के बाद किसानों में नाराजगी है और आंदोलन के आगे और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया है कि छाता शुगर मिल का संचालन शुरू होने तक उनकी मांग को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। प्रशासन की ओर से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

अधिकारी नहीं पहुंचे तो मंडी गेट पर किसानों ने लगाया जाम

एमएसपी की कानूनी गारंटी समेत 15 सूत्रीय मांगों को लेकर भाकियू टिकैत का प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की ओर से सोमवार को पीलीभीत मंडी परिसर स्थित किसान विश्राम गृह में किसान समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों की समस्याओं और संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र सिंह यादव और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बापू अजीत सिंह समेत संगठन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।बैठक समाप्त होने के बाद संगठन की ओर से किसानों की विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा जाना था। पदाधिकारियों के मुताबिक, अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर ज्ञापन लेने की सूचना दी गई थी, लेकिन काफी देर तक कोई अधिकारी नहीं पहुंचा। इससे किसानों में नाराजगी बढ़ गई।इसके बाद भाकियू टिकैत के पदाधिकारी और किसान मंडी गेट के सामने टनकपुर हाईवे पर पहुंच गए और चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। करीब 30 से 40 मिनट तक हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा। सूचना पर सिटी मजिस्ट्रेट मौके पर पहुंचे और किसान प्रतिनिधियों से वार्ता की। इसके बाद उन्होंने किसानों का ज्ञापन प्राप्त किया, जिसके बाद चक्का जाम समाप्त कर दिया गया।

ज्ञापन में सभी कृषि उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग की गई। संगठन ने एमएसपी निर्धारण में सी2+50 प्रतिशत लागत फामूर्ला लागू करने और घोषित एमएसपी से कम कीमत पर फसल की खरीद रोकने की व्यवस्था किए जाने की मांग उठाई।इसके अलावा बाबा महेंद्र सिंह टिकैत चौक की घोषणा, धान खरीद व्यवस्था में सुधार, डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता, बिजली और डिजिटल मीटरों की जांच, गन्ने का मूल्य 600 रुपये प्रति क्विंटल करने, गन्ना बकाया भुगतान और क्रय केंद्रों पर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई। ज्ञापन में राइस मिलों, धर्मकांटों और नमी मापने वाले यंत्रों की जांच, नकली बीजों पर कार्रवाई, नहरों की सफाई, सिंचाई व्यवस्था में सुधार, बाढ़ राहत कार्यों की जांच, छुट्टा पशुओं से फसल नुकसान का मुआवजा और बिलसंडा ब्लॉक में प्रधानमंत्री आवास योजना की उच्चस्तरीय जांच समेत अन्य मुद्दे भी शामिल रहे। इस दौरान जिलाध्यक्ष गुरदीप सिंह गोगी, जिला महासचिव बलजीत सिंह, जिला मीडिया प्रभारी गुरजीत सिंह विर्क, प्यारे लाल वर्मा, नीरज यादव, नानक सिंह, अरुण गंगवार, दिलशाद राजा, दसरथ सिंह, मुन्ना गौतम, आमिर समेत संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और किसान मौजूद रहे।

खैरपुर कलां में बाग में पहुंचा तेंदुआ, ग्रामीणों में दहशत

रफत खां के बाग में चहलकदमी का वीडियो वायरल

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। गांव खैरपुर कलां में रफत खां के बाग में तेंदुआ दिखाई देने की सूचना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बाग में तेंदुए की चहलकदमी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों में भय और बढ़ गया है। लोग शाम ढलने के बाद खेतों और बागों की ओर जाने से बच रहे हैं।ग्रामीणों के मुताबिक, बाग के आसपास पिछले कुछ समय से जंगली जानवर की मौजूदगी को लेकर चर्चा थी। इसी बीच रफत खां के बाग में तेंदुआ दिखाई देने की बात सामने आई। किसी ग्रामीण ने तेंदुए की चहलकदमी का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। वीडियो में बाग के अंदर तेंदुए जैसा वन्यजीव दिखाई दे रहा है। हालांकि, वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। तेंदुआ बाग में पहुंचने की सूचना से आसपास के किसानों और ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि बाग और खेतों में काम करने के लिए उन्हें अक्सर सुबह और शाम के समय जाना पड़ता है। ऐसे में तेंदुए की मौजूदगी की सूचना से लोगों को अनहोनी की आशंका सता रही है। ग्रामीणों ने बच्चों को भी अकेले घर से बाहर न भेजने की अपील की है।ग्रामीणों ने वन विभाग से मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके पर पहुंचकर जांच कराने और क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि होती है तो उसे सुरक्षित तरीके से पकड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। वन्यजीव की मौजूदगी को देखते हुए ग्रामीणों को बाग और खेतों की ओर अकेले न जाने तथा समूह में ही निकलने की सलाह दी जा रही है। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद ग्रामीण वन विभाग की टीम के मौके पर पहुंचने और तेंदुए की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार कर रहे हैं।

काला नमक भवन को शोरूम मॉडल पर विकसित करने के दिये निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सोमवार को कृषि भवन के पास बने काला नमक भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन को शोरूम मॉडल पर विकसित करने और परिसर में मिट्टी भराई कराने के निर्देश दिए। इसके बाद डीएम ने निमार्णाधीन काला नमक भवन का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति देखी। उन्होंने निर्धारित समयसीमा में निर्माण पूरा कराकर भवन हैंड ओवर कराने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए थर्ड पार्टी से सत्यापन कराने को कहा। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

स्कूली वाहनों की सुरक्षा में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। लोहिया कला भवन सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति के जिलास्तरीय सदस्यों, विद्यालय प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों और रूट मैनेजरों की बैठक हुई। बैठक में स्कूली वाहनों में सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराने पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश मोटर यान (26वां संशोधन) नियमावली, 2019 के नियम 222-छ का अनिवार्य रूप से पालन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति के गठन, स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट, वैध ड्राइविंग लाइसेंस, चालकों के पुलिस सत्यापन व चरित्र प्रमाणपत्र तथा दृष्टि दक्षता की जांच सुनिश्चित करने को कहा। बसों में महिला परिचालक की अनिवार्यता और विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति की त्रैमासिक बैठकें कराने पर भी विशेष जोर दिया गया। नियमों का पालन नहीं करने पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक ने सभी स्कूली वाहनों के चालकों व परिचालकों का पुलिस सत्यापन कराने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने और क्षमता से अधिक बच्चों को नहीं बैठाने के निर्देश दिए।

बसों में सीसीटीवी कैमरे लगाने पर भी जोर दिया गया। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को सीज करने और लापरवाही से वाहन चलाने वाले चालकों पर कार्रवाई की बात कही गई। एआरटीओ ने कहा कि वैध फिटनेस, बीमा, परमिट, स्पीड गवर्नर और कार्यशील जीपीएस के बिना कोई स्कूली वाहन संचालित नहीं होगा। परमिट समाप्त और अनफिट वाहनों के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। डीआईओएस, बीएसए और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने विद्यालयों, इंटर कॉलेजों और मान्यता प्राप्त मदरसों में परिवहन सुरक्षा समिति का गठन कर सूची कार्यालय में जमा कराने के निर्देश दिए। बैठक में एएसपी, एआरटीओ, डीआईओएस, बीएसए, बीईओ, थानाध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधक व ट्रांसपोर्ट मैनेजर मौजूद रहे।

मेहरम के साथ हज-2027 पर जाने के लिए महिलाएं 7 अक्तूबर तक कर सकेंगी आवेदन

वेलकम इडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। हज कमेटी ऑफ इंडिया की ओर से हज-2027 के लिए मेहरम श्रेणी में महिलाओं को 500 सीटें आवंटित की गई हैं। ऐसे में वे महिलाएं, जो किसी कारणवश अपने मेहरम के साथ हज यात्रा के लिए आवेदन नहीं कर सकी हैं और उनके मेहरम का हज-2027 के लिए चयन हो चुका है, अब निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसके कवर में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकती हैं। उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति, लखनऊ की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हज कमेटी ऑफ इंडिया ने 16 सितंबर को सर्कुलर-14 जारी किया है। इसके तहत महिला आवेदकों को 23 सितंबर से सात अक्तूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर ही किया जा सकेगा। ऑफलाइन, हस्तलिखित या टाइप किया हुआ आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।आवेदन के लिए महिला का पहले हज कमेटी या हज ग्रुप ऑर्गनाइजर के माध्यम से हज किया हुआ नहीं होना चाहिए। आवेदक के पास आवेदन की तिथि से पहले जारी वैध मशीन पठित पासपोर्ट होना जरूरी है, जिसकी वैधता 31 दिसंबर 2027 तक होनी चाहिए। ऑनलाइन आवेदन के दौरान पासपोर्ट के प्रथम और अंतिम पृष्ठ, पासपोर्ट साइज फोटो, आवासीय पते का प्रमाण और मेहरम से रिश्ता प्रमाणित करने वाला दस्तावेज अपलोड करना होगा। जिस कवर में महिला आवेदन कर रही है, उसमें उसे शामिल करने के बाद कुल आवेदनों की संख्या पांच से अधिक नहीं होनी चाहिए। जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि 500 सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर डिजिटल रैंडम सेलेक्शन ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से चयन किया जाएगा। संबंधित आवेदकों से निर्धारित समयावधि में आवश्यक कार्रवाई पूरी करने की अपील की गई है।

'मेरे सपनों का भारत' में बच्चों ने उकेरे विकास के सपने

ब्लाक स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में निशा देवी ने हासिल किया पहला स्थान

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। परिषदीय स्कूलों की विकसित भारत विषय पर चित्रकला प्रदर्शनी की एक दिवसीय ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें ब्लाक स्तर के पांच सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रतियोगिता के पांच विजयी छात्रों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय वीरेन्द्र सिंह के निर्देशन में परिषदीय स्कूलों के कक्षा पांच से आठ तक के प्रत्येक विद्यालय से एक-एक चयनित छात्रों का जन कल्याण सेवा उपलक्ष्य के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान के तहत थीम दो विकसित भारत (मेरे सपनों का भारत) विषय पर चित्रकला प्रदर्शनी की एक दिवसीय ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज पूरनपुर में आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में कक्षा 5 से 8 तक के 83 स्कूलों के 83 बच्चों ने प्रतिभाग किया। चित्रकला प्रदर्शनी प्रतियोगिता में ब्लाक स्तर में उच्च प्राथमिक विद्यालय भीमपुर नौगजा की निशा देवी ने पहला, पीएम श्री खासपुर की नेहा देवी ने दूसरा, उच्च प्राथमिक विद्यालय पूरनपुर की आलिया ने तीसरा, कम्पोजिट विद्यालय घाटमपुर की नूर बानो ने चौथा और कम्पोजिट विद्यालय टंडोला की रोली ने पाँचवां स्थान प्राप्त किया। ब्लाक स्तर के पांच सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रतियोगिता के पांच विजयी छात्रों को खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय वीरेन्द्र सिंह ने प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता कार्यक्रम में एआरपी सुखजीत सिंह, अजय तोमर, श्रीकृष्ण, अवनीश तोमर सहित कई शिक्षक एवं अभिभावक मौजूद रहे।

गांव-गांव पहुंचे संतराम विश्वकर्मा, विकास कार्यों और जनसमस्याओं पर किया संवाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। ओबीसी महासभा के प्रदेश सचिव एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि संतराम विश्वकर्मा ने शनिवार को पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के सुखदासपुर, तकिया दीनारपुर, रुरिया सलेमपुर समेत कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर क्षेत्र की समस्याएं सुनीं और विकास कार्यों को लेकर चर्चा की।संतराम विश्वकर्मा ने कहा कि चुनाव के समय धरातल पर नजर आने वाले नेताओं को ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक समस्याओं की भी सुध लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता उन जनप्रतिनिधियों को याद रखती है, जो मुश्किल समय में भी उसके बीच रहकर समस्याओं के समाधान का प्रयास करते हैं।उन्होंने पूर्व सांसद मेनका गांधी और पूर्व सांसद वरुण गांधी के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों ने पीलीभीत को चुनावी अखाड़ा नहीं, बल्कि अपना परिवार मानकर काम किया। उनके अनुसार, गांव-गांव बैठकों के माध्यम से लोगों की समस्याएं सुनी गईं और जरूरतमंद परिवारों तक मदद पहुंचाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि पक्की सड़कों का विस्तार, गांवों तक बिजली पहुंचाना और गरीब परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराना प्राथमिकताओं में शामिल रहा। उन्होंने कहा कि पूर्व में कराए गए कार्यों की आज ठीक से देखरेख तक नहीं हो पा रही है। जो रास्ते पहले साफ-सुथरे थे, उनमें बरसात के दौरान दलदल की स्थिति बन रही है और ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है।

छितरापार में सपा की पीडीए चौपाल, सामाजिक मुद्दों पर चर्चा

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। विकासखंड उसका बाजार के ग्राम पंचायत छितरापार में रविवार को समाजवादी पार्टी की ओर से पीडीए चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाजवादी पार्टी के बाबा साहेब आंबेडकर वाहिनी के जिलाध्यक्ष एवं कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी चंद्रभान पहलवान ने किया।

मुख्य अतिथि पाल समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमलेश कुमार पाल धनखड़ रहे। चौपाल में सपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक लालजी यादव ने कार्यकताओं और ग्रामीणों से संवाद किया। कपिलवस्तु विधानसभा अध्यक्ष जोखन प्रसाद चौधरी ने भी विचार रखे। इस दौरान सेक्टर अध्यक्ष सतीश कुमार चौधरी, माखन साहू, बूथ अध्यक्ष उदयभान यादव, राजू यादव, विधानसभा उपाध्यक्ष बृजभान यादव, अमरेश पाल यादव तथा पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मौर्य समेत पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। चौपाल में पाल समाज के ग्रामीणों ने भी सहभागिता की।

जवान-किसान हितों को लेकर किसान यूनियन भानू का जोरदार प्रदर्शन

सरकारी स्कूल-अस्पतालों की व्यवस्था सुधारने समेत सात मांगें उठाईं

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने किसानों, जवानों और आमजन से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम संबंधित अधिकारियों को सौंपा। संगठन के जिलाध्यक्ष भजन लाल क्रांती के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में शिक्षा, चिकित्सा, भ्रष्टाचार, टोल टैक्स और जवान-किसान हितों से जुड़े मुद्दे उठाए गए हैं। संगठन ने मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है।ज्ञापन में कहा गया कि गांव से लेकर जिला स्तर तक शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। सरकारी प्राथमिक विद्यालयों से लेकर जिला स्तरीय विद्यालयों तक शिक्षा व्यवस्था को अनिवार्य रूप से मजबूत किए जाने की मांग की गई। साथ ही सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाएं बेहतर करने की बात कही गई। संगठन ने सुझाव दिया कि सरकारी तंत्र में कार्यरत कर्मचारियों से लेकर आईएएस और आईपीएस स्तर के अधिकारियों के बच्चों की शिक्षा सरकारी विद्यालयों में तथा कर्मचारियों और अधिकारियों का उपचार सरकारी अस्पतालों में अनिवार्य किए जाने की व्यवस्था लागू की जाए, ताकि सरकारी व्यवस्थाओं की गुणवत्ता में सुधार हो सके। किसान यूनियन ने राजनीति और समाज सेवा की आड़ में कथित रूप से संपत्ति अर्जित करने वाले लोगों की जांच कराने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि ऐसे लोगों की संपत्तियों की जांच कर यदि अनियमितता सामने आए तो नियमानुसार कार्रवाई करते हुए संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए।ज्ञापन में वाहनों से लिए जाने वाले टोल टैक्स का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। संगठन ने सवाल किया कि जब वाहन के पंजीकरण के समय टैक्स लिया जाता है तो इसके बाद अलग-अलग स्थानों पर टोल टैक्स क्यों लिया जाता है। किसान यूनियन ने देशभर में टोल प्लाजा हटाने की मांग की। इसके अलावा जवान और किसान के हितों को प्राथमिकता देने की मांग करते हुए कहा गया कि किसी जवान अथवा किसान की दुर्घटना में मृत्यु होने पर मिलने वाली अनुग्रह सहायता राशि तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि पीड़ित परिवार को आर्थिक संकट से राहत मिल सके।संगठन ने मुख्यमंत्री से ज्ञापन में शामिल सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक व्यवस्था लागू करने की मांग की। पदाधिकारियों ने कहा कि मांगों की अनदेखी होने पर संगठन आंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होगा।

धर्मेश गंगवार के स्वागत में उमड़ा सपा का सैलाब, 28 जगहों पर जोरदार अभिनंदन, फूल-मालाओं से पटा स्वागत मार्ग

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार के सोमवार को पीलीभीत प्रथम आगमन पर पार्टी कार्यकताओं ने जगह-जगह जोरदार स्वागत किया। लखनऊ से पीलीभीत पहुंचे धर्मेश गंगवार के काफिले का शाहजहांपुर-पीलीभीत सीमा से लेकर शहर तक कई स्थानों पर फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। कार्यकताओं ने नए जिलाध्यक्ष को बधाई देते हुए उनके नेतृत्व में संगठन को मजबूत करने का भरोसा जताया लखनऊ से वाहनों के काफिले के साथ पीलीभीत के लिए रवाना हुए धर्मेश गंगवार का शाहजहांपुर-पीलीभीत सीमा के पास खनंका पुल पर पहले से मौजूद सपा कार्यकताओं ने स्वागत किया। कार्यकताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद काफिला खनंका भट्टा पहुंचा, जहां भी कार्यकताओं ने स्वागत कर अपनी खुशी जाहिर की।

काफिला आगे बढ़ते हुए रोहनिया, चठिया सेवाराम, बीसलपुर के ईदगाह चौराहा और 12 पत्थर चौराहा समेत विभिन्न स्थानों से गुजरा। इन स्थानों पर सपा कार्यकताओं और समर्थकों ने जिलाध्यक्ष का स्वागत किया। कई जगह कार्यकर्ता पहले से ही उनके पहुंचने का इंतजार करते दिखाई दिए। स्वागत के दौरान वाहनों का लंबा काफिला भी नजर आया।धर्मेश गंगवार के प्रथम आगमन को लेकर कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। बताया गया कि जिलाध्यक्ष के स्वागत के लिए करीब 28 स्थानों पर कार्यक्रम निर्धारित किए गए थे। निर्धारित स्थानों पर कार्यकताओं ने एकजुट होकर उनका स्वागत किया। इससे पूरे रास्ते सपा कार्यकताओं की सक्रियता नजर आई। इस दौरान डॉ. रत्नेश गंगवार भी धर्मेश गंगवार के साथ मौजूद रहे। कार्यकताओं ने दोनों का स्वागत किया और संगठन को लेकर चर्चा की। स्वागत कार्यक्रमों के दौरान कार्यकताओं ने पार्टी की मजबूती और आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर भी उत्साह जताया।

पीलीभीत पहुंचने पर धर्मेश गंगवार ने कार्यकताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि संगठन में सभी कार्यकताओं को साथ लेकर चलने का प्रयास किया जाएगा। कार्यकताओं की मेहनत और सहयोग से पार्टी संगठन को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने स्वागत के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं का धन्यवाद भी दिया। नए जिलाध्यक्ष के प्रथम आगमन पर हुए व्यापक स्वागत को लेकर पूरे मार्ग में सपा कार्यकताओं में उत्साह नजर आया। जगह-जगह हुए कार्यक्रमों और वाहनों के काफिले ने आगमन को खास बना दिया।

सामर्थ्यवान, संस्कारवान और चरित्रवान लोग ही समाज का निर्माण करते हैं: प्रो. जीसी त्रिपाठी

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षकों की भूमिका पर हुआ मंथन

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश की काशी महानगर इकाई की ओर से डॉ. घनश्याम सिंह पीजी कॉलेज, लमही में सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह एवं शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक अपनी सेवाएं दे चुके विभिन्न जिलों के सेवानिवृत्त शिक्षकों को स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम सचिव अमिताभ मिश्र ने वैदिक एवं पौराणिक मंगलाचरण प्रस्तुत किया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. घनश्याम सिंह पीजी कॉलेज के प्रबंधक डॉ. नागेश्वर सिंह ने कहा कि शिक्षक स्वयं दीपक बनकर दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाता है। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दीनानाथ सिंह ने कहा कि विकास से पहले चिंतन होता है और निरंतर प्रयास से विकास की राह प्रशस्त होती है। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय पर संपादित पुस्तक का विमोचन भी किया गया। मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. ए.के. त्यागी ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति रुचि पैदा करना शिक्षक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि तकनीकी संसाधनों के बढ़ते प्रभाव के बीच शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मुख्य अतिथि महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ के कुलपति प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि शिक्षक को कक्षा में जाने से पहले विषय का अध्ययन करना चाहिए। तकनीकी युग में विद्यार्थी लगातार स्वयं को अद्यतन कर रहे हैं। ऐसे में शिक्षकों को भी नवीन तकनीक और उसके शैक्षिक उपयोग को सीखना होगा। विशिष्ट अतिथि एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाने के साथ-साथ उनके मन को पढ़ना भी जरूरी है। समाज को दिशा देने के लिए शिक्षक को त्याग और समर्पण की भावना से कार्य करना चाहिए। विद्या भारती के डॉ. रघुराज सिंह ने शिक्षकों की सामाजिक स्वीकार्यता में आ रही कमी पर चिंतन की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव के बीच विद्यार्थियों में पढ़ने और लिखने की आदत को बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती है।

कार्यक्रम को प्राथमिक संवर्ग के पूर्व मंत्री लहजू कुशवाहा सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि ह्लभारत एक दर्शन, दृष्टि और विचार है। किसी भी समाज का निर्माण सामर्थ्यवान, संस्कारवान और चरित्रवान लोग ही करते हैं ह्व उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा देने का कार्य नहीं करता, बल्कि उनके व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समारोह के अंत में प्रो. राघवेंद्र पांडेय ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी डॉ. जगदीश सिंह दीक्षित एवं प्रो. अंजू सिंह ने किया। समापन पर वंदे मातरम् का सामूहिक गान हुआ। संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रो. प्रभात कुमार सिंह दीक्षित, प्रो. डीपी सिंह एवं सूर्य प्रकाश सिंह के असमय निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में डॉ. रामजी पाठक, डॉ. नलिन मिश्र, प्रो. ओमप्रकाश चौधरी, प्रो. अंजू सिंह, प्रो. हरिहर सिंह, लहजू कुशवाहा, डॉ. राजेश सिंह सूर्यवंशी, राजेंद्र सिंह, ज्योति प्रकाश, पंकज त्रिपाठी, शीला यादव, यदूरिमा रजनी राय, डॉ. संजय गुप्ता, भारतीश मिश्र, नैनबाला पांडेय, गायत्री सिंह, आलोक कुमार मौर्य, प्रीति रानी, प्रतिभा सिंह, कुसुम सिंह, आबिदा बानो, संतोष तिवारी, संजय सोनकर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

आरपीएफ का सघन चेकिंग अभियान, यात्रियों को जहरखुरानी से बचाव के प्रति किया जागरूक

नो पार्किंग में खड़े आठ वाहनों समेत 12 के खिलाफ जन विश्वास अधिनियम के तहत कार्रवाई

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे परिसर में बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सोमवार, 21 सितंबर 2026 को वाराणसी स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की ओर से सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया, प्लेटफार्म और टिकट घर की गहन जांच की गई। आरपीएफ टीम ने यात्रियों को जहरखुरानी से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए अपील की कि किसी भी अपरिचित व्यक्ति से खाद्य पदार्थ या पेय पदार्थ न लें और न ही उसका सेवन करें, ताकि वे जहरखुरानी का शिकार होने से बच सकें। अभियान के दौरान यात्रियों को यात्रा के समय सतर्क रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर सूचना देने के लिए जागरूक किया गया। यात्रियों से ट्रेनों में अनावश्यक रूप से चेन पुलिंग नहीं करने और आपात स्थिति में रेलवे सुरक्षा बल का सहयोग करने की अपील भी की गई। स्टेशन परिसर और आसपास की गतिविधियों पर कंट्रोल रूम में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जा रही है। चेकिंग अभियान के दौरान वाराणसी स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया स्थित नो पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करने वाले आठ वाहन एवं मोटरसाइकिल चालकों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम की धारा 159 के उल्लंघन में जन विश्वास अधिनियम-2026 के तहत कार्रवाई की गई। इसी क्रम में सकुर्लेटिंग एरिया के गेट के पास रेल भूमि के अंदर दो ठेला संचालकों द्वारा ठेला लगाकर खानपान सामग्री बेचते हुए पाए जाने पर कार्रवाई की गई। रेलवे अधिनियम की धारा 144 के उल्लंघन में दोनों ठेला संचालकों के विरुद्ध भी जन विश्वास अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान सीएमआई सुबोध और रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने दोपहिया वाहन स्टैंड की भी जांच की। जांच के दौरान स्टैंड पर कार्यरत एक व्यक्ति द्वारा लाइसेंस संबंधी नियमों का पालन नहीं किया जाना पाया गया। इसके अलावा रेल टिकट घर के शौचालय की जांच के दौरान भी एक व्यक्ति लाइसेंस संबंधी नियमों का पालन करते हुए नहीं मिला। दोनों मामलों में रेलवे अधिनियम की धारा 144 के उल्लंघन के तहत जन विश्वास अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई। इस प्रकार वाराणसी स्टेशन पर चलाए गए सघन चेकिंग अभियान के दौरान जन विश्वास अधिनियम के तहत कुल 12 व्यक्तियों एवं वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। अधिकारियों के अनुसार अभियान का उद्देश्य स्टेशन परिसर में अनुशासन, सुरक्षा, स्वच्छता और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करना है। आरपीएफ द्वारा यात्रियों से भी अपील की गई कि वे रेलवे परिसर में नियमों का पालन करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल सुरक्षा बल को दें।

अहमदगढ़ पुलिस ने दो बाइक चोर दबोचे, 6 चोरी की बाइक और दो तमंचे हुए बरामद

पिस्टल वाले वायरल वीडियो से बाइक चोरी तक पहुंची पुलिस, दो गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़/बुलंदशहर। अहमदगढ़ थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर सोमवार को घेराबंदी कर दो बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकाश पुत्र प्रमोद कुमार निवासी ककरिया खेड़ा, थाना अहमदगढ़ और सुभाष पुत्र मंगेश निवासी दौलतपुर कला, थाना नरसेना के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह मोटरसाइकिल, दो अवैध तमंचे और कारतूस बरामद करने का दावा किया है। पूछताछ में आरोपियों द्वारा अन्य जनपदों से मोटरसाइकिल चोरी कर लाने की जानकारी सामने आने की बात पुलिस ने कही है। अहमदगढ़ थानाध्यक्ष वरुण कुमार शर्मा के अनुसार, दोनों आरोपी बाइक चोरी की घटनाओं में संलिप्त बताए गए हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आकाश का दो दिन पहले सोशल मीडिया पर पिस्टल के साथ वीडियो वायरल हुआ था। पुलिस के मुताबिक जांच के दौरान वह बाइक चोरी के मामले में भी संलिप्त पाया गया। दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई है।

बुगरासी में नए नगर पंचायत कार्यालय का उद्घाटन, महापुरुषों की प्रतिमाओं का किया गया अनावरण

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। नगर पंचायत बुगरासी में नए नगर पंचायत कार्यालय के उद्घाटन के साथ महाराणा प्रताप, भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर और पद्मभूषण बाबूजी कल्याण सिंह की प्रतिमाओं का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में बुलंदशहर सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. भोला सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। प्रतिमाओं के अनावरण और नए कार्यालय के उद्घाटन से नगरवासियों में उत्साह का माहौल रहा। सांसद डॉ. भोला सिंह ने नगर पंचायत अध्यक्ष ओमदत्त लोधी के नेतृत्व में कराए जा रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में विकास कार्यों को गति मिली है और अब बुगरासी में विकास कार्य धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने पूर्व के नगर पंचायत कार्यकालों में विकास कार्यों को लेकर भी सवाल उठाए और डबल इंजन सरकार का लाभ नगर पंचायतों तक पहुंचने का दावा किया। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, नगर पंचायत प्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने 24 घंटे में किया हत्या का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। छतारी थाना क्षेत्र के गांव लालगढ़ी में हुई अशोक की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी ब्रजेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से अवैध असलहा और कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, 19 सितंबर को मृतक के बेटे अभिषेक कुमार ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच के दौरान गांव लालगढ़ी निवासी ब्रजेश का नाम सामने आया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अशोक के साथ शराब पी रहा था। इसी दौरान दोनों में गाली-गलौज हुई, जिसके बाद उसने अशोक के गमछे से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और आर्म्स एक्ट की कार्रवाई कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

पीएम श्री राजकीय क्वींस इंटर कॉलेज में युवाओं ने लिया नशे से दूर रहने का संकल्प

'नशा मुक्त युवा विकसित भारत' राष्ट्रीय संकल्प समारोह एवं युवा कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। माई भारत वाराणसी, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से पीएम श्री राजकीय क्वींस इंटर कॉलेज वाराणसी में 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत' राष्ट्रीय संकल्प समारोह का आयोजन किया गया। इसके साथ ही 'युवा कनेक्ट कार्यक्रम' भी आयोजित हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को युवा शक्ति, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं पीएम श्री राजकीय क्वींस इंटर कॉलेज के प्राचार्य विशेष्वर सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ ही उसके परिवार एवं समाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से पूरी तरह दूर रहने तथा अपने साथियों और समाज के अन्य लोगों को भी नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को अनुशासन, सकारात्मक सोच और शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर माई भारत के उपनिदेशक विकास कुमार सिंह ने युवाओं से नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर अपनी ऊर्जा को रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों में लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा देश की महत्वपूर्ण शक्ति हैं और विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। विद्यालय के उपप्राचार्य ने भी विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अपनी प्रतिभा और क्षमता का सकारात्मक दिशा में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में युवा आइकॉन एवं कॉलेज के पूर्व छात्र सृजन चतुर्वेदी ने अपने विद्यार्थी जीवन की यादें विद्यार्थियों के साथ साझा कीं। उन्होंने कॉलेज में बिताए अपने अनुभवों को बताते हुए युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और युवाओं के लिए संचालित कार्यक्रमों की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने युवाओं से शिक्षा के साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़ने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। दोनों कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का मंच संचालन विद्यालय के शिक्षक तिवारी ने किया।

गुलाब बाग में 15.66 लाख रुपये की सड़क का शिलान्यास

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। सिगरा स्थित गुलाब बाग में विकास कार्यों की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए सोमवार, 21 सितंबर 2026 को सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया। महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अर्चन कर नारियल फोड़कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। इस दौरान क्षेत्रीय कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में त्वरित आर्थिक विकास योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत सड़क निर्माण कार्य को स्वीकृति मिली है। स्वीकृत योजना के तहत गुलाब बाग में सी-16/187-7 से बी-15 तक सड़क का निर्माण कराया जाएगा। सड़क की लंबाई 97 मीटर होगी और इसके निर्माण पर 15.66 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखंड वाराणसी को सौंपी गई है। शिलान्यास अवसर पर महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने कहा कि क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ सड़क, जल निकासी और अन्य जनसुविधाओं से जुड़े कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का लाभ सीधे आम नागरिकों तक पहुंचाना सरकार और संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्माण कार्य को निर्धारित गुणवत्ता और समयसीमा के अनुरूप पूरा कराने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में चंद्रशेखर उपाध्याय, रजत जायसवाल, आत्मा विश्वेश्वर, अजय गुप्ता, नवीन कपूर, मीडिया प्रभारी प्रमील पाण्डेय, सह मीडिया प्रभारी अशोक कुमार पाण्डेय, अखिलेंद्र सिंह 'सनी', अवधेश राय, विभव सिंह, कुसुम सिंह पटेल, राकेश जायसवाल, अनिल उपाध्याय, प्रमोद यादव 'मुन्ना', हीरा यादव, विनय सिंह, पिंटू जायसवाल सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

निःशुल्क मेडिकल कैंप, सैकड़ों ग्रामीणों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

आहार। स्वस्थ समाज की दिशा में एक सार्थक पहल करते हुए अनूपशहर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बामनपुर में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा हॉस्पिटल के अनुभवी डॉक्टरों की टीम द्वारा लगाया गया। कैंप में सुबह से ही ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जरूरतमंद परिवारों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई तथा विभिन्न बीमारियों से संबंधित दवाइयां भी मुफ्त में वितरित की गईं। सैकड़ों लोगों ने कैंप का लाभ उठाकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। इस अवसर पर सपा नेता प्रवेंद्र लोधी, बामनपुर ग्राम प्रधान सहित क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। आयोजकों ने कहा कि सेवा का उद्देश्य केवल उपचार करना ही नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना है। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और इसी संकल्प के साथ जनसेवा के ऐसे प्रयास भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

तमंचे सहित युवक दबोचा, लखावटी चौकी इंचार्ज रामेश्वर दयाल शर्मा ने कराया मामला दर्ज

औरंगाबाद/बुलंदशहर। लखावटी चौकी पुलिस ने एक युवक को अवैध तमंचे सहित बंदी बनाया। चौकी इंचार्ज रामेश्वर दयाल शर्मा ने मामला दर्ज कराया। पकड़े गए अभियुक्त को जेल भेजा गया है। लखावटी चौकी इंचार्ज रामेश्वर दयाल शर्मा रविवार की रात्रि में गश्त पर थे। बहादुर पुर पसौली गौशाला मार्ग पर एक युवक पसौली गांव की तरफ से आता दिखाई दिया। पुलिस पार्टी द्वारा टोकने पर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को दबोच लिया और तलाशी ली तो उसके कब्जे से 315बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए अभियुक्त ने पूछताछ के दौरान पुलिस को अपना नाम विनोद पुत्र सतपाल सिंह निवासी गांव बहादुर पुर पसौली बताया। शस्त्र अधिनियम के अंतर्गत चौकी इंचार्ज ने मामला दर्ज कराया। पुलिस ने अभियुक्त को जेल भेज दिया। हेड कांस्टेबल प्रवीन कुमार मोहित कुमार और अजीत कुमार पुलिस टीम में शामिल रहे।

दिल्ली पुलिस भर्ती की दौड़ में 24 वर्षीय युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

वेलकम इंडिया संवाददाता

अनूपशहर। दिल्ली पुलिस में भर्ती होकर खाकी वर्दी पहनने का सपना देख रहे 24 वर्षीय युवक की शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। अनूपशहर कोतवाली क्षेत्र के गांव नेता नगर निवासी सौरभ कुमार पुत्र लच्छी सिंह सोमवार को वजीराबाद स्थित ट्रेनिंग सेंटर में दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा के फिजिकल टेस्ट में शामिल होने पहुंचा था।

परिजनों के अनुसार, दौड़ शुरू होते ही सौरभ कुछ दूरी तय करने के बाद अचानक गिर पड़ा और अचेत हो गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों व मेडिकल टीम ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सौरभ पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ा था और परिवार का मुख्य सहारा बनने की तैयारी कर रहा था। परिजनों के मुताबिक वह लंबे समय से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ शारीरिक दक्षता की भी तैयारी कर रहा था। बेटे की अचानक मौत से मां, भाई-बहनों और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, युवक की असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज में 'मेरे सपनों का भारत' थीम पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज, गोविंदपुरी, मोदीनगर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सोमवार को कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक डॉक्टर मंजू शिवाच रहीं। विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय परिवार द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने चित्रों एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से स्वच्छ, शिक्षित, आत्मनिर्भर, विकसित, पर्यावरण-संरक्षित एवं सशक्त भारत की अपनी कल्पना को आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, देशप्रेम और भविष्य के भारत के प्रति उनकी सकारात्मक सोच ने कार्यक्रम को विशेष रूप से प्रभावशाली बनाया। मुख्य अतिथि डॉ. मंजू शिवाच ने विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि देश का भविष्य युवा पीढ़ी के हाथों में है और विद्यार्थियों के सपनों, विचारों तथा संकल्पों से ही विकसित एवं सशक्त भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. अंशु सिंह ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे रचनात्मक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व, सृजनात्मक सोच और आत्मविश्वास का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सपनों का भारत ही आने वाले समय का विकसित भारत होगा।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया तथा अपने पोस्टरों के माध्यम से भारत के उज्ज्वल भविष्य की सुंदर एवं प्रेरणादायी तस्वीर प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। प्रतियोगिता में विद्यालय के समस्त शिक्षक श्री रवि भूषण गौतम राजीव मैत्रे हरीश बाबू संगीता सिंह दीपक कुमार कल्पना वर्मा सतीश कुमारमीनाक्षी अरोड़ा विजय कुमार सौरभ त्यागी शंकर सिंह आदि सभी उपस्थित रहे प्रतियोगिता को आयोजन श्रीमती संगीता सिंह श्रीमती नीलम ने किया।

दलित समाज के गणमान्य जनों का चौ.रणवीर दहिया ने किया स्वागत एवं अभिनंदन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। आलमगीरपुर अंबेडकर भवन में आयोजित दलित समाज के कार्यक्रम के दौरान चौ. रणवीर दहिया, विधानसभा सिवाल खास ने समाज के गणमान्य जनों एवं वरिष्ठजनों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर शिशपाल बिड़ी, शिवदत्त, जगत सिंह (कल्याणपुर), राजेंद्र, लाल सिंह, चरण सिंह, हरबीर सिंह (उकसिया), देवांश, रामनिवास, रोटाश, सतपाल, रामपाल सिंह एवं करतार सिंह का चौ. रणवीर दहिया द्वारा आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ जनों एवं साथियों से आत्मीय मुलाकात हुई तथा उनका स्नेह एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। दलित समाज की एकजुटता, सामाजिक भाईचारे एवं समाज के हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवेंद्र गौतम ने किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष एससी प्रकोष्ठ दीपक गून, बिजेंदर निशंक, सचिन चौधरी, प्रदेश महासचिव डॉ. सुशील कुमार जाटव, मोहित राव गौतम, रवि भारत चिकारा, औंकार भदौड़ा एवं सुभाष जाटव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी सम्मानित जनों का स्नेह, सहयोग एवं आशीर्वाद मेरे लिए सदैव प्रेरणादायी है। आप सभी का हृदय से आभार एवं धन्यवाद।

श्रीहंस इंटर कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया सतपाल महाराज का जन्मदिवस

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्री हंस इंटर कॉलेज में प्रख्यात आध्यात्मिक मार्गदर्शक, वरिष्ठ राजनेता एवं उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज जी का जन्मदिवस अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा महाराज जी के दीघार्यु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। समारोह के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार ने छात्र-छात्राओं को मिठाई वितरित कर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने श्री सतपाल महाराज जी के प्रेरक जीवन, उनकी आध्यात्मिक दृष्टि और राष्ट्र व समाज निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। महाराज जी के प्रेरक जीवन, उनकी आध्यात्मिक दृष्टि और राष्ट्र व समाज निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य विनोद कुमार ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पूज्य हंस महाराज के पदचिह्नों पर चलते हुए सतपाल महाराज ने 'मानव उत्थान सेवा समिति' के माध्यम से समाज में नैतिकता, सेवाभाव और आत्मज्ञान का जो दीप जलाया है, वह हम सभी के लिए मार्गदर्शक है। प्रधानाचार्य ने सभी विद्यार्थियों को उनके जीवन मूल्यों, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा के सिद्धांतों को अपनाने तथा संस्था के जनकल्याणकारी कार्यों से जुड़कर राष्ट्र सेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों और छात्रों ने महाराज जी के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दिव्यांगों के जीवन में नई उम्मीद: कृत्रिम अंगों और 51 व्हीलचेयर का वितरण

रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेंट्रल का सेवा प्रकल्प, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अमित गुप्ता ने की सेवा कार्यों की सराहना

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिव्यांगजनों के जीवन में सुविधा, आत्मनिर्भरता और सम्मान का संचार करने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेंट्रल द्वारा सोमवार को जीवन आशा हॉस्पिटल, गंग नहर, मुरादनगर में कृत्रिम अंग वितरण सेवा प्रोजेक्ट आयोजित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3012 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अमित गुप्ता रहे। इस अवसर पर जरूरतमंद दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए गए, जिससे उन्हें सामान्य जीवन की ओर आगे बढ़ने में सहायता मिल सके। कार्यक्रम को और विशेष बनाते हुए रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3012 की ओर से डिस्ट्रिक्ट फर्स्ट लेडी डॉ. स्वाति गुप्ता के जन्मदिन के अवसर पर 51 दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर वितरित की गईं। व्हीलचेयर एवं कृत्रिम अंग प्राप्त कर लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास साफ दिखाई दिया। कृत्रिम अंग सेवा प्रोजेक्ट के प्रायोजक क्लब के पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन सुभाष गर्ग रहे। रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने कहा कि दिव्यांगजनों को सहारा देना केवल सेवा नहीं, बल्कि उन्हें सम्मानपूर्वक और आत्मनिर्भर जीवन जीने का अवसर प्रदान करना है। रोटरी भविष्य में भी ऐसे सेवा प्रकल्पों को निरंतर आगे बढ़ाता रहेगा। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अमित गुप्ता ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी रोटेरियन साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में रोटेरियनों की सहभागिता सेवा भावना की मजबूती को दशार्ती है। उन्होंने क्लब एवं डिस्ट्रिक्ट के सभी सदस्यों द्वारा इस सेवा प्रकल्प में दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अमित गुप्ता, डिस्ट्रिक्ट फर्स्ट लेडी डॉ. स्वाति गुप्ता, क्लब अध्यक्ष रोटेरियन संजय गर्ग, पीपी रोटेरियन सुभाष गर्ग, रोटेरियन शिल्प गर्ग, रोटेरियन प्रदीप गुप्ता, रोटेरियन अजय शर्मा सहित डिस्ट्रिक्ट 3012 के सैकड़ों रोटेरियन उपस्थित रहे। रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेंट्रल के पदाधिकारियों ने कहा कि क्लब का उद्देश्य सेवा के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है और इस दिशा में भविष्य में भी निरंतर सेवा प्रकल्प आयोजित किए जाएंगे।

सुरेन्द्र चिकारा को सहकारिता प्रकोष्ठ बिजनौर का जिलाध्यक्ष बनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। हल्दौर बिजनौर में सहकारिता प्रकोष्ठ राष्ट्रीय लोकदल का एक आयोजन सुरेन्द्र चिकारा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष, सहकारिता प्रकोष्ठ चेयरमैन और जीत सिंह बिड्डी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिजनौर जिलाध्यक्ष ओमपाल कश्यप ने की और संचालन संजीव चौधरी ने किया। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के आदेश पर प्रदेश अध्यक्ष सहकारिता प्रकोष्ठ चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी के अनुमोदन पर क्षेत्रीय अध्यक्ष रुहेलखंड, सहकारिता प्रकोष्ठ वीरेंद्र सिंह ने एवं मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सहकारिता चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी' ने सुरेन्द्र चिकारा को सहकारिता प्रकोष्ठ बिजनौर का जिलाध्यक्ष का मनोनयन पत्र सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा, सुरेन्द्र चिकारा पार्टी के पुराने मजबूत कार्यकर्ता है मुझे पूरी उम्मीद है।यह पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे और जल्द ही जिले में अपने संगठन का विस्तार कर जिलाध्यक्ष ओमपाल कश्यप जी से मिलकर क्षेत्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह जी नेतृत्व में पार्टी को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। राष्ट्रीय लोक दल ही किसान मजदूर कमरे की पार्टी है और 2027 विधानसभा का चुनाव भी नजदीक है इसको देखकर यह निर्णय लिया गया है सभी वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय महासचिव मुंशी रामपाल' पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुखबीर सिंह जी पूर्व जिलाध्यक्ष ब्रजबीर सिंह युवा क्षेत्रीय अध्यक्ष हनी तोमर ऋषिपाल अलबेल सिंह अंकुल चौधरी' सतेंद्र तोमर' नवीन चौधरी आदि इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन की आम सभा एवं समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

अजय प्रमुख को प्रदेश उपाध्यक्ष और लिखी राम चौधरी को सीनियर उप सचिव की घोषणा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कानपुर में उत्तर प्रदेश मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन की आम सभा तथा समन्वय समिति की बैठक आहूत की गई। सर्वप्रथम बैठक में प्रदेश अध्यक्ष बाबा दीन चौधरी ने अजय प्रमुख को उत्तर प्रदेश में उपाध्यक्ष और लिखी राम चौधरी को सीनियर उप सचिव की घोषणा की और माला और शाल पहनाकर स्वागत किया गया।

बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबा दीन चौधरी ने तथा संचालन कानपुर मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन के महामंत्री विनय अवस्थी ने किया। बैठक में निम्न प्रमुख विषयों पर विस्तृत चर्चा हुईः 31 अक्टूबर एवं 1 नवंबर 2026 को लखनऊ में आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश मास्टर्स एथलेटिक मीट के आयोजन की तैयारियों, प्रतिभागिता, तकनीकी व्यवस्था एवं विभिन्न आयु वर्गों की स्पधाओं के संबंध में रूपरेखा तय की गई। एवं जनवरी 2027 लखनऊ में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश के दल की भागीदारी, चयन प्रक्रिया एवं खिलाड़ियों के प्रशिक्षण को लेकर तथा इस बड़े आयोजन की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ खिलाड़ियों ने अपने सुझाव रखे तथा दोनों प्रतियोगिताओं को सफल बनाने हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। अंत में अध्यक्ष द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। बैठक में मुख्य रूप से अजय प्रमुख, कमल महाजन, राजेश सिंह, राणा दिनेश प्रताप सिंह,सुरेंद्र सिंह, लिखीराम चौधरी, मोतीलाल ,राम लखन, संजय त्रिपाठी ,सविता तिवारी, अजीत यादव, हरिशंकर पटेल, महिपाल सिंह, चंद्र प्रकाश, उमेश शर्मा, जितेंद्र सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ब्राह्मण महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में विभिन्न विषयों पर किया गया विचार

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक 20-21 सितंबर 2026 को शिव धाम,शुक्रताल, मुजफ्फरनगर में आयोजित की गई । सभा में राष्ट्रीय पदाधिकारी के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष त्रिभुवन शर्मा,हरियाणा के अध्यक्ष जसविंदर शर्मा, दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष बी डी करोरिया सभा के राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज ने सभा का सफल संचालन किया। सभा की अध्यक्षता सभा के संरक्षक पुष्कर कृष्ण जी महाराज ने की ।वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद हितेषी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वी.पी शर्मा सुनील दत्त शर्मा के अतिरिक्त संगठन मंत्री राधेश्याम शर्मा राष्ट्रीय सचिव रविदत शर्मा अवधेश शर्मा, डॉ सुरेश कौशिक,शिव कुमार शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेंद्र पांडे राष्ट्रीय प्रवक्ता शिवकुमार शर्मा आदि विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्ष उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ने कोष की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में सहारनपुर मंडल, मेरठ मंडल, मुरादाबाद मंडल, झांसी मंडल, अलीगढ़ मंडल,बरेली मंडल के पदाधिकारी ने भाग लिया कार्यक्रम में लगभग 130 राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों को बुलाया गया था। जिनमें से अधिकतर ने अपनी सहभागिता कार्यक्रम उपस्थित होकर दी। विभिन्न विषयों पर विचार किया गया। रात्रि में पुष्कर कृष्ण जी महाराज द्वारा सुंदर भजनों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम के संयोजकों का विशेष योगदान रहा। सभी संयोजकों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया और सभी पदाधिकारी का अतिथि सत्कार भी किया 'कार्यक्रम के अंत में तीनों कार्यक्रम संयोजकों ने सभी का धन्यवाद भी किया।

श्री लक्ष्मी नारायण मोदी मंदिर में 26 सितंबर से होगी श्रीमद्भागवत कथा

शहर में जोर शोर से चल रही श्रीमद्भागवत कथा की तैयारियां

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पूज्य अतुल कृष्ण भारद्वाज महाराज के श्रीमुख से 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक होने वाली श्रीमद्भागवत कथा की तैयारियों की जानकारी श्रीरामकथा आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉक्टर पवन सिंघल के द्वारा पत्रकारों को बताया कि कथा समिति के कार्यकर्ता शहर के लोगों से व्यक्तिगत सम्पर्क कर कथा का निमंत्रण पत्र दे रहे हैं।

कथा की कलश यात्रा की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि दिनांक 26 सितंबर को दोपहर 2:00 बजे मोदी इंटर कॉलेज से एक कलश यात्रा प्रारंभ होकर लक्ष्मी नारायण मंदिर (मोदी मंदिर) तक पहुंचेगी और उसके उपरांत कथा प्रारंभ हो जाएगी।

शहर को विभिन्न हिस्सों में बांटकर वह आसपास के गांव में कलश यात्रा के निमित्त माताओं बहनों के द्वारा सम्पर्क किया जा रहा है जिसमें लगभग 500 से 700 माताएं बहने कलश यात्रा में कलश उठाएंगी प्रेस वार्ता में उनके साथ समिति के उपाध्यक्ष सुदेश मित्तल, मंत्री महेश तायल, राघवेंद्र, राधेश्याम नरेश दानी भी उपस्थित रहे।

कथा की तैयारियों के क्रम में आज मोदी मन्दिर लक्ष्मी नारायण मंदिर में विधि विधान से भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें श्री राम कथा समिति के अध्यक्ष डॉक्टर पवन सिंघल, कथा यजमान अनिल गर्ग, अमित गर्ग कथा प्रवक्ता श्री अरविंद भाई ओझा,कोषाध्यक्ष सुनील गोयल, दीपक अग्रवाल रामेश्वर दयाल, अशोक माहेश्वरी, राजीव अग्रवाल,जितेंद्र कंसल, डॉ विनय मित्तल खेमराज , सुशील बिन्दल, गौरव शर्मा, कलशयात्रा समिति से गीता कौशिक, रीता दानी, करुणा गुलाटी एवं शहर के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे आज कथा प्रांगण में श्री हनुमान जी की पताका का पूजन कर पाताका फहराकर पंडाल के निर्माण का काम प्रारंभ किया गया। साथ ही समिति के द्वारा सभी पत्रकार बन्धुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

यूपीआई में लगाए गए अतिरिक्त चार्ज के विरोध में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। संपूर्ण उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल मोदीनगर द्वारा यूपीआई में लगाए गए अतिरिक्त चार्ज के विरोध में तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया और एक ज्ञापन वित्त मंत्री सीतारमण के नाम उपजिलाधिकारी को सौंपा। व्यापार मंडल की मेरठ मंडल प्रभारी प्रदीप बोस ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा व्यापारियों पर जो यूपीआई पेमेंट में अतिरिक्त भार थोपा है, वो स्वीकार्य नहीं है। आज दुकानदार पहले से ही कई परेशानियों का सामना कर रहा है, साथ ही ऑनलाइन से उसकी प्रतिस्पर्धा हो गई है। उन्होंने कहा कि यह अतिरिक्त चार्ज व्यापारी स्वीकार नहीं करेगा।व्यापार मंडल की महामंत्री हिमांशु सिंघल ने कहा कि यूपीआई में सतिरिक्त चार्ज का विरोध व्यापारी करता रहेगा जब तक केंद्र सरकार से वापस ना ले। इस मौके पर मोदीनगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष मेहराम चंदेला वरिष्ठ व्यापारी नेता निर्दोष खटाना, संदीप मित्तल, नीतिन चौधरी, अमित गर्ग, राजेश चौधरी, विपिन चौधरी,आशीष कश्यप, सुमित गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

मोदीनगर में अवैध कॉलोनी पर चला GDA का बुलडोजर, 17 हजार वर्गमीटर में की गई प्लॉटिंग ध्वस्त

=कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर क्षेत्र में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) ने सोमवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन-2 के प्रभारी के नेतृत्व में ग्राम रोरी स्थित मंगल विहार कॉलोनी के पीछे खसरा संख्या 922, 923 और 924 में कार्रवाई की गई।

प्राधिकरण के अनुसार, करीब 17 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिना अनुमति कॉलोनी विकसित करने के लिए मिट्टी भराई कर सड़कें बनाई जा रही थीं। मौके पर कॉलोनाइजरों द्वारा बनाई गई आरसीसी सड़कें, बाउंड्रीवॉल और प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकताओं और कॉलोनाइजरों ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी। इस दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-2 का स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। ऋळ्अ ने स्पष्ट किया कि अवैध निर्माण और कॉलोनियों के खिलाफ ध्वस्तीकरण व सीलिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा।

22 में से 20 ब्लैक स्पॉट सुधरे, दो पर जल्द पूरा होगा काम

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अपर जिलाधिकारी (सिटी) विकास कश्यप की अध्यक्षता में हुई बैठक में ब्लैक स्पॉट, अनफिट स्कूली बसों, पार्किंग व्यवस्था और राष्ट्रीय राजमार्गों पर चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि जिले में चिन्हित 22 ब्लैक स्पॉट में से 20 पर सड़क सुरक्षा से संबंधित कार्य पूरे कराए जा चुके हैं। शेष दो स्थानों पर भी जल्द काम पूरा कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि शेष दो ब्लैक स्पॉट लोनी बस स्टैंड और जौहरी एन्क्लेव मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली-यमुनोत्री-सहारनपुर मार्ग पर स्थित हैं।

2027 के मिशन की तैयारी में जुटें कार्यकर्ता, नितिन नवीन ने बूथ मजबूत करने पर दिया जोर

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दौरे पर पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का सोमवार को गाजियाबाद में एनएच-9 पर भव्य स्वागत किया गया।

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। नितिन नवीन ने कार्यकताओं का आभार जताते हुए वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कमल का निशान भाजपा की पहचान है और प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से काम करे। उन्होंने कहा कि व्यक्ति माध्यम है, जबकि पार्टी का विचार और संकल्प सर्वोपरि है। उन्होंने कार्यकताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पार्टी के विचारों को जनता तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, सांसद अतुल गर्ग, भोला सिंह, मंत्री सुनील शर्मा, नरेंद्र कश्यप, विधायक संजीव शर्मा, अजीत पाल त्यागी सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसानों के हक की आवाज बुलंद, डीएम कार्यालय पर गरजी भाकियू भानु

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। किसानों की विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन भानु ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष योगेश प्रताप सिंह के आह्वान पर जिलाध्यक्ष विवेक यादव के नेतृत्व में पहुंचे संगठन के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर किसानों के हित में कई मांगें उठाईं।

ज्ञापन में किसान आयोग के गठन, प्रगतिशील एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने और किसानों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई। इसके साथ ही डीजल, पेट्रोल और गैस के दाम आधे करने तथा सरकारी शिक्षा एवं चिकित्सा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग रखी गई।

भाकियू भानु ने भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने, किसानों व देशवासियों के लिए टोल टैक्स माफ करने तथा किसानों और जवानों की दुर्घटना की स्थिति में मुआवजा बढ़ाने की मांग भी की। इसके अलावा वार्ड संख्या 7 और 27 की स्थानीय समस्याओं के समाधान की मांग उठाई गई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऑपरेशन प्रहार में मसूरी पुलिस की कार्रवाई, 1.180 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना मसूरी पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत चेकिंग के दौरान एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 किलो 180 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया।

पुलिस के अनुसार, सोमवार को थाना मसूरी पुलिस टीम दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पुल के नीचे रेलवे लाइन के किनारे चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध अवस्था में मिले साकिब पुत्र बाबुद्दीन को पुलिस ने पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1.180 किलो गांजा बरामद हुआ।

बरामदगी के आधार पर थाना मसूरी में आरोपी के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दिव्यांगों को मिला आत्मनिर्भरता का सहारा, दो कियोस्क से शुरू होगा स्वरोजगार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। दिव्यांगजनों को सम्मानजनक आजीविका से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन की ओर से संचालित 'मिशन सामर्थ्य' के तहत सोमवार को दो दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के लिए कियोस्क उपलब्ध कराए गए। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देश पर सेवा संकल्प अभियान के तहत यह पहल की गई।

संयुक्त चिकित्सालय लोनी के मुख्य द्वार के पास 90 प्रतिशत दिव्यांग वीरेंद्र और उनकी पत्नी नीरज को कियोस्क मिला। इसका उद्घाटन उपजिलाधिकारी लोनी दीपक सिंघनवाल ने किया। वहीं मोहन नगर में मेट्रो पिलर संख्या-310 के पास दिव्यांग संजय को कियोस्क उपलब्ध कराया गया, जिसका उद्घाटन जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान ने किया।

कियोस्क निर्माण में भारत विकास परिषद ने आर्थिक सहयोग दिया, जबकि नीव शक्ति संस्थान ने प्रशासन के साथ समन्वय कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अधिकारियों ने बताया कि मिशन सामर्थ्य का उद्देश्य दिव्यांगजनों को सहायता देने के साथ उन्हें स्वरोजगार के जरिए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

कूलिंग पैड फैक्ट्री में भीषण आग, आठ फायर टेंडरों ने दो घंटे में पाया काबू

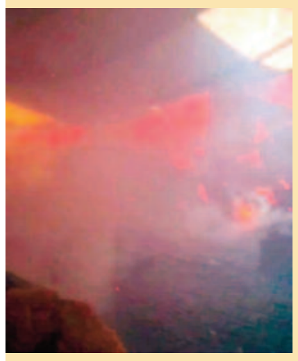

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। बुलंदशहर रोड इंडस्ट्रियल एरिया में सोमवार दोपहर कूलिंग पैड बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही कोतवाली फायर स्टेशन से चार फायर टेंडर मौके पर रवाना किए गए। फायर टीम के पहुंचने पर करीब 500 वर्ग मीटर क्षेत्र में बने अस्थायी टीन शेड में संचालित शांति एंटरप्राइजेज के पूरे हिस्से में आग फैली हुई थी।

स्थिति को देखते हुए वैशाली फायर स्टेशन से दो वाटर ब्राउजर और साहिबाबाद से दो फायर टेंडर अतिरिक्त बुलाए गए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और उनके निर्देशन में चारों ओर से होज पाइप लगाकर आग बुझाने का अभियान चलाया गया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर करीब दो बजे कुल आठ फायर टेंडरों की मदद से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। इसके बाद कूलिंग का कार्य जारी रहा। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। राहत की बात रही कि हादसे में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। अग्निशमन कार्य के दौरान स्थानीय पुलिस टीम भी मौके पर मौजूद रही।

लोनी में जमीन विवाद ने लिया खूनी रूप, फायरिंग में युवक के पैर में लगी गोली

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। लोनी क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद के बाद मारपीट और गोली चलने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गजेंद्र ने अपने साथियों के साथ मिलकर संजय धामा पर हमला कर दिया। इसी दौरान हुई फायरिंग में एक युवक के पैर में गोली लगने की सूचना है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजे जाने की जानकारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और विवाद के पीछे के कारणों तथा फायरिंग की परिस्थितियों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तहरीर और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीएसी चौक पर रेलवे की जमीन पर कब्जे का आरोप, हाईलेवल जांच की मांग

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कैला भट्टा स्थित शहीद अशफाकुल्लाह खां चौक (पीएसी चौक) पर रेलवे भूमि को लेकर विवाद गहरा गया है। कैला भट्टा निवासी खालिद बुखारी ने जिला प्रशासन से मामले की उच्चस्तरीय और समयबद्ध जांच कराने की मांग की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि रेलवे की जमीन पर कथित रूप से कब्जा कर निजी अधिकार जताने और व्यावसायिक निर्माण की तैयारी की जा रही है। शिकायतकर्ता के अनुसार रेलवे की पुरानी लाइन के आसपास पहले भूमि का चिन्हांकन किया गया था और दीवार पर रेलवे संपत्ति संबंधी सूचना भी अंकित थी। आरोप है कि बाद में सूचना हटाकर जमीन पर निजी दावा करने का प्रयास हुआ।

बुखारी ने रेलवे, राजस्व विभाग और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम से मौके की पैमाइश कराने की मांग की है। उन्होंने पुराने फोटो, रेलवे रिकॉर्ड और राजस्व अभिलेखों का मिलान कराने के साथ पूर्व रजिस्ट्री, कथित निरस्तीकरण आदेश, निर्माण अनुमति, स्वीकृत मानचित्र और प्रस्तावित मार्केट से जुड़े दस्तावेजों की जांच की मांग की है।

साथ ही जांच पूरी होने तक नए निर्माण या भूमि हस्तांतरण पर रोक लगाने तथा अनियमितता मिलने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

खाद्य विभाग का ताबड़तोड़ अभियान, छह नमूने लिए, 27 लाख की सामग्री जब्त

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। खाद्य सुरक्षा विभाग ने फूड सप्लीमेंट और न्यूट्रास्यूटिकल्स प्रतिष्ठानों के खिलाफ अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। विभागीय टीम ने जिले में तीन स्थानों पर निरीक्षण कर छह नमूने जांच के लिए लिए। कार्रवाई के दौरान उत्पादों पर किए गए मिसलीडिंग क्लेम के चलते कुल 3121 किलोग्राम सामग्री जब्त की गई। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 27 लाख 44 हजार रुपये बताई गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई का उद्देश्य खाद्य एवं स्वास्थ्य संबंधी उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ उपभोक्ताओं को भ्रामक दावों से बचाना है। टीम ने जब्त सामग्री को नियमानुसार कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। लिए गए नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया कि फूड सप्लीमेंट और न्यूट्रास्यूटिकल्स की बिक्री में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

गाजियाबाद में तीरथ सिंह रावत का भव्य स्वागत, सामाजिक संगठनों ने किया सम्मान

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत के गाजियाबाद आगमन पर मेरठ रोड स्थित क्लाउड-9 कंपाउंड में 'भारत का बदलता शासन' दैनिक समाचार पत्र कार्यालय में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विभिन्न सामाजिक, व्यापारिक, धार्मिक एवं पत्रकार संगठनों ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर रावत का स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए तीरथ सिंह रावत ने कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है। इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों, पत्रकारों और सामाजिक संगठनों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए राष्ट्रहित में योगदान देना चाहिए। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय महामंत्री विवेक त्यागी ने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं। कार्यक्रम में उत्तराखंड के पूर्व राज्यमंत्री सच्चिदानंद पोखरियाल, एक्टिव जर्नलिस्ट एसोसिएशन की अध्यक्ष अपूर्वा चौधरी सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

गणपति विसर्जन में डीजे पर भिड़े दो पक्ष, सड़क पर जमकर चले घूंसे

साहिबाबाद(वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद थाने के ठीक सामने रविवार को गणपति विसर्जन के दौरान डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। दोनों पक्षों के लोग सड़क पर एक-दूसरे पर घूंसे बरसाते नजर आए। विवाद बढ़ने पर एक पक्ष के कुछ लोग मौके से भागने लगे तो दूसरे पक्ष के युवकों ने जीटी रोड पर दौड़कर उनका पीछा किया और कुछ युवकों को पकड़कर दोबारा मारपीट की। घटना के दौरान सड़क पर काफी देर तक अफरातफरी का माहौल बना रहा। मारपीट का 44 सेकेंड का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। बताया गया कि जीटी रोड के दोनों ओर स्थित कॉलोनियों के लोगों ने अलग-अलग पंडाल लगाकर गणपति की स्थापना की थी।